शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 152 | गुवाहाटी | गुरुवार, 28 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लोस चुनाव : है तैयार हम थीम के साथ कांग्रेस फूंकेगी चुनावी बिगुल पेज 2
गोर्खाओं की समस्या समाधान के प्रति सरकार प्रतिबद्ध : अशोक सिंघल पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से वीडियो... पेज 5
पेरिस के लिए सिंधु को मिला विदेशी कोच सांतोसो का साथ, चोट से ... पेज 7

शिक्षा विभाग में नियुक्ति के लिए विज्ञापन प्रकाशित

एक लाख नौकरी देने के वादे से आगे बढ़ गई सरकार : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार ने शिक्षा विभाग में 10 हजार नियुक्तियों के लिए आज विज्ञापन प्रकाशित किया है। विज्ञापन के प्रकाशित होने के बाद आज मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि आज, हमारी सरकार ने शिक्षा विभाग में 10 हजार से अधिक रिक्तियों के लिए विज्ञापनों की घोषणा की है। इसके साथ ही हम न केवल अपने एक लाख सरकारी नौकरी देने संबंधी वादे को पूरा करने में सक्षम होंगे बल्कि, पारदर्शी तरीके से एक लाख से अधिक सरकारी नौकरियां देकर असम में नया इतिहास रचेंगे। उल्लेखनीय है कि इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया का विज्ञापन आज राज्य के प्रमुख समाचार पत्रों में दिया गया है। असम के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने 1424 पोस्ट ग्रेजुएट टीचर्स और 7249 ग्रेजुएट टीचर्स (कला), ग्रेजुएट टीचर (विज्ञान), स्नातक शिक्षक (हिंदी) और स्नातक शिक्षक (संस्कृत) -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस बर्बरता के आरोपों में युवक की मौत मुख्यमंत्री ने की जांच की घोषणा

गुवाहाटी। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज घोषणा की कि दीपांकर गोगोई की मौत की अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर की जांच शुरू की जाएगी, जिनके परिवार ने उनकी आत्महत्या को पुलिस यातना का परिणाम बताया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जोरहाट जिले में दीपांकर गोगोई की मौत की अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर की जांच की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि जांच 30 दिनों की अवधि के भीतर समाप्त कर ली जाएगी। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार 26/12/23 को गारीकुरी ब्रिनसायक गांव, तिताबर के खगेन गोगोई के बेटे दीपांकर गोगोई की मौत की अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर की जांच करेगी। जांच 30 दिन के भीतर समाप्त हो जाएगी। वहीं कल, असम के डीजीपी जीपी सिंह ने युवक की आत्महत्या की जांच के आदेश दिए थे, जब पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया था कि पुलिस यातना सहन करने में असमर्थ होने के कारण उसने यह कदम उठाया। सोशल मीडिया पर असम के डीजीपी ने कहा कि जोरहाट जिले के तिताबर के दीपांकर गोगोई की मौत की जांच के आदेश दिए गए हैं। जीपी सिंह ने कहा कि मामले की जांच पुलिस महानिरीक्षक पूर्वी रेंज से कराई जाएगी। युवक की पहचान बिरिनासायेक -शेष पृष्ठ दो पर

शांति समझौते पर हस्ताक्षर के लिए रवाना हुआ अल्फा का प्रतिनिधिमंडल

गुवाहाटी। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के साथ शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। समझौते पर हस्ताक्षर के लिए अल्फा के वार्ता समर्थक गुट का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को गुवाहाटी से दिल्ली रवाना हो गया है। इस प्रतिनिधमंडल में 16 सदस्य शामिल हैं। इनमें अल्फा अध्यक्ष अरबिंद राजखोवा, विदेश सचिव सशधर चौधरी, डिप्टी कमांडर-इन-चीफ राजू बरुआ, प्राणजीत सैकिया और प्रदीप हजारिका शामिल हैं। हालांकि परेश बरुआ के नेतृत्व वाला अल्फा (स्वा.) गुट अभी तक शांति वार्ता में शामिल नहीं हुआ है। त्रिपक्षीय शांति समझौते के मौके पर ऐतिहासिक हस्ताक्षर के -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी कैबिनेट का अहम फैसला

असम-त्रिपुरा में सड़क परियोजनाओं पर दो हजार करोड़ खर्च करेंगे

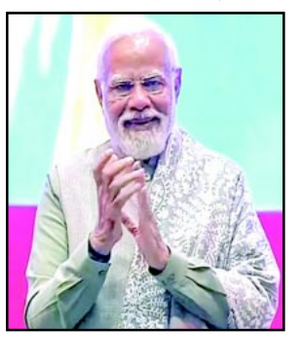

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने बुधवार को कैबिनेट मीटिंग में कई बड़े फैसले लिए हैं। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रेस कांफ्रेंस करके कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने सड़क और परिवहन मंत्रालय से जुड़े निर्णय के बारे में बताते हुए कहा कि त्रिपुरा और असम में सड़क निर्माण को लेकर फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि सड़क और परिवहन मंत्रालय से जुड़े निर्णय लिए गए हैं जो त्रिपुरा और असम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। खोवाई से हरिना तक सड़क बनाने के काम को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के ऊपर 2487 करोड़ रुपए खर्च होंगे, इस काम को 25 महीने में पूरा किया जाएगा। ठाकुर ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के पूरा होने पर असम और त्रिपुरा के बीच में परिवहन और आसान हो जाएगा। ये उत्तर त्रिपुरा को दक्षिण त्रिपुरा -शेष पृष्ठ दो पर

आरबीआई धमकी मामला : तीन आरोपी गिरफ्तार

वडोदरा (हि.स.)। मुंबई में आरबीआई समेत 11 स्थलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल भेजने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले के 3 आरोपितों को वडोदरा से गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को इन्हें मुंबई क्राइम ब्रांच और महाराष्ट्र एटीएस ने गुजरात पुलिस के सहयोग से पकड़ा गया है। तीनों आरोपितों को फिलहाल मुंबई ले जाया गया है, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार रिजर्व बैंक ऑफ -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल गांधी मणिपुर से मुंबई तक निकालेंगे भारत न्याय यात्रा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस *भारत न्याय यात्रा* निकालने जा रही है। यात्रा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जाएगी। राहुल गांधी 14 जनवरी को मणिपुर से यह यात्रा शुरू करेंगे और 20 मार्च को मुंबई में यात्रा पूरी करेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह जानकारी दी। रमेश ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में 14 जनवरी -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वाঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

म्यांमार में अस्थिरता और मणिपुर में लोगों के पास हथियार शांति में बाधा : लेफ्टिनेंट जनरल कलिता

कोलकाता। भारतीय सेना के पूर्वी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता ने बुधवार को कहा कि पड़ोसी देश म्यांमार में अस्थिरता और मणिपुर में युद्धरत समूहों के पास बड़ी संख्या में हथियारों का होना बड़ी चुनौती हैं और शांति बहाली में बाधा बन रही है। उन्होंने कहा कि जब तक युद्धरत कुकी और मैतेई समुदायों के सदस्यों के पास हथियार हैं, स्थिति किसी भी समय भड़क सकती है। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत सीमावर्ती गांवों का विकास किया जा रहा है। इससे लोगों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के साधन उपलब्ध कराने का प्रयास किए जा रहे हैं। निश्चित रूप इससे सीमावर्ती गांवों का कायाकल्प होगा। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में आतंकवाद में कमी आई है। उन्होंने अल्फा के वार्ता समर्थक गुट के केंद्र सरकार के साथ बातचीत के बीच, अल्फा (स्वा.) -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव से पहले सस्ते हो सकते हैं पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। पेट्रोलियम सेक्टर में जो तस्वीर बन रही है, उससे संकेत मिल रहे हैं कि चुनावों से पहले देश में पेट्रोल व डीजल डीजल की कीमतों में कमी की जा सकती है। वजह यह है कि दिसंबर, 2023 में भारत ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार से औसतन 77.14 डालर प्रति बैरल की दर से कच्चे तेल खरीदा है। भारत की तरफ से आयातित यह पिछले छह महीने की सबसे कम कीमत है। इस पूरे वित्त वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमत सिर्फ दो महीने (सितंबर में 93.54 डालर और अक्तूबर में 90.08) ही कच्चे तेल की कीमत 90 डालर प्रति बैरल से ज्यादा रही है, जबकि शेष सात महीनों में न्यूनतम 74.93 डालर प्रति बैरल और अधिकतम 83.76 डालर प्रति बैरल रही है। पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में 22 मई, 2022 के बाद से कोई बदलाव नहीं हुआ है। तब केंद्र सरकार ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती की थी। नियमों के आधार पर अभी भी तेल कंपनियों को रोजाना इन उत्पादों की कीमतें तय करने का अधिकार है, लेकिन इन्होंने इस अधिकार का इस्तेमाल छह अप्रैल, 2022 के बाद नहीं किया है। इस दौरान भारत ने कच्चे तेल की खरीद अधिकतम 116 डालर (जून, 2022 की औसत कीमत) तक गई और न्यूनतम 74.93 (जून, 2023 की औसत आयात मूल्य) पर की, लेकिन खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया। अब जब आम चुनाव सिर पर है तो सरकार के भीतर खुदरा कीमतों को लेकर पिछले दिनों पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने सरकारी क्षेत्र की तीनों प्रमुख पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों के साथ बैठक भी की है। सरकारी तेल कंपनियों की माली हालत काफी मजबूत: खुदरा कीमत के घटने की जो तस्वीर बन रही है उसके पीछे एक प्रमुख वजह यह भी है कि -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

केंद्र ने मुस्लिम लीग जे एंड के पर लगाया बैन

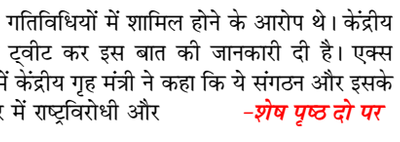

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मुस्लिम लीग जम्मू-कश्मीर (मसर्रत आलम गुट) पर बैन लगा दिया है। मोदी सरकार ने यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून (यूएपीए) के तहत की है। संगठन के सदस्यों पर जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ये संगठन और इसके सदस्य जम्मू और कश्मीर में राष्ट्रविरोधी और -शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर आंदोलन के दिग्गज प्रवीण तोगड़िया को न्योता नहीं

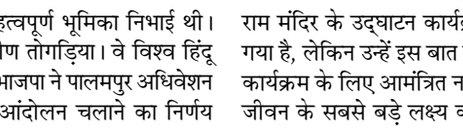

लखनऊ। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के उद्घाटन की तैयारी जोरशोर से चल रही है। इसके लिए देश-विदेश से मेहमानों को आमंत्रित किया जा रहा है, लेकिन इस कार्यक्रम से कुछ ऐसे बड़े चेहरे ही गायब हैं जिन्होंने राम मंदिर आंदोलन की लड़ाई लड़ने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन्हीं चेहरों में से एक हैं प्रवीण तोगड़िया। वे विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। भाजपा ने पालमपुर अधिवेशन में जब राम मंदिर के लिए आंदोलन चलाने का निर्णय लिया था, तब से वे विहिप के सर्वप्रमुख पदाधिकारी रहते हुए उन्होंने आंदोलन चलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कुछ राजनीतिक मतभेद के चलते वे इस समय संगठन से बाहर हैं। माना जा रहा है कि इस मतभेद के चलते ही उन्हें राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें इस बात का कष्ट नहीं है कि उन्हें इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित नहीं किया गया, बल्कि अपने जीवन के सबसे बड़े लक्ष्य को पूरा -शेष पृष्ठ दो पर

एमफिल मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं, विवि इसमें दाखिले तुरंत रोकें : यूजीसी

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विश्वविद्यालयों को एमफिल पाठ्यक्रम पेश करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि यह एक मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं है और छात्रों को ऐसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के प्रति आगाह किया। आयोग ने विश्वविद्यालयों से 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए ऐसे किसी भी एमफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा है। यूजीसी सचिव मनीष जोशी ने विश्वविद्यालयों को भेजे एक नोटिस में कहा है कि यूजीसी के संज्ञान में आया है कि कुछ विश्वविद्यालय -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
कच्चा पात्र कच्चे पात्र से टकराकर टूट जाता है।
- आचार्य चाणक्य

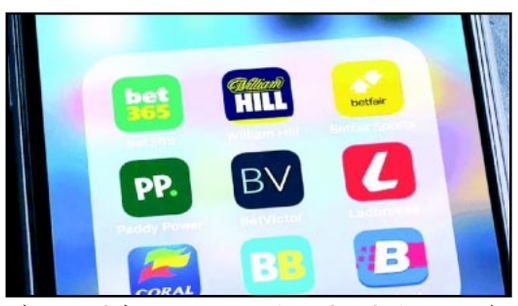

न्यूज गैलरी

अब से अयोध्या धाम के नाम से जाना जाएगा अयोध्या रेलवे स्टेशन

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या रेलवे स्टेशन का नाम बदल गया है। रेलवे स्टेशन अब अयोध्या धाम के नाम से जाना जाएगा। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिन पहले निरीक्षण के दौरान अयोध्या धाम स्टेशन नाम रखने की इच्छा जताई थी। इसके बाद ही ये फैसला लिया गया है। रामनगरी की गरिमा के अनुरूप रेलवे ने अयोध्या जंक्शन को विस्तार दिया। राममंदिर निर्माण के दृष्टिगत रामनगरी में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अयोध्या जंक्शन के पुराने भवन को नया स्वरूप प्रदान -शेष पृष्ठ दो पर

सेलिब्रिटी अब नहीं कर पाएंगे अवैध बेटिंग-लोन ऐप्स के विज्ञापन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अवैध बेटिंग और लोन ऐप्स पर शिकंसा करना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार की ओर से यह निर्देश जारी किया गया है कि सोशल मीडिया और ऑनलाइन मंचों पर कर्ज देने वाले धोखाधड़ी वाले ऐप के विज्ञापन नहीं लगाएं। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बुधवार को यह जानकारी दी है। केंद्र सकार के इस निर्देश से साफ है कि सोशल मीडिया सेलिब्रिटी अब अवैध बेटिंग और लोन ऐप्स के विज्ञापन नहीं कर सकेंगे। सरकार इंटरमीडिएटरी नियमों के तहत कदम उठाएगी। चंद्रशेखर ने मीडिया को बताया कि आईटी मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंचों साफ बता दिया है कि वे धोखाधड़ी वाले ऋण ऐप के विज्ञापन का इस्तेमाल नहीं करें। ये विज्ञापन लोगों को गुमराह करने वाले हैं। इस तरह के विज्ञापन से इंटरनेट का उपयोग करने वाले लोगों को नुकसान पहुंच रहा है। केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया सहायक कंपनियों और ऑनलाइन प्लेटफार्मों को मौजूदा आईटी नियमों के तहत अवैध ऋण और सट्टेबाजी ऐप्स को सक्रिय रूप से प्रतिबंधित करने और हटाने का निर्देश दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना -शेष पृष्ठ दो पर

युगांडा में 70 साल की महिला ने दिया जुड़वां बच्चों को जन्म

कंपाला। युगांडा की एक दिलचस्प खबर सोशल मीडिया पर चर्चा की विषय बनी हुई है। वहां एक 70 साल की महिला सफीना ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया है। इस उम्र में जुड़वा बच्चे को जन्म देना किसी *चमत्कार* से कम नहीं माना जा रहा है। सफीना नामुकवेया ने राजधानी कंपाला के एक अस्पताल में एक बेटी और एक बेटे को जन्म दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सफीना नामुकवेया ने कंपाला के एक फर्टिलिटी सेंटर में सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए जुड़वा बच्चों को जन्म दिया है। अस्पताल ने सफीना नामुकवेया को बधाई देते हुए उन्हें बच्चे को जन्म देने वाली सबसे उम्रदराज महिलाओं में से एक बताया। महिला अस्पताल इंटरनेशनल एंड फर्टिलिटी सेंटर के विशेषज्ञ डॉ. एडवर्ड तमाले ने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

लोस चुनाव : *है तैयार हम* थीम के साथ कांग्रेस फूंकेगी चुनावी बिगुल

नई दिल्ली। कांग्रेस अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र के नागपुर शहर में गुरुवार को एक विशाल रैली के जरिए अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करेगी। कांग्रेस के 139वें स्थापना दिवस पर इस रैली *हैं तैयार हम* का आयोजन होगा। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने बुधवार को रैली स्थल पर संवाददताओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश के लोगों के लिये यह एक ऐतिहासिक क्षण है। पार्टी के नेताओं के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी इस रैली को संबोधित करेंगे। यह रैली इस मायने में महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका आयोजन नागपुर में हो रहा है, जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मुख्यालय और ऐतिहासिक स्थल *दीक्षाभूमि* स्थित है। दीक्षाभूमि में डॉ. बी आर आंबेडकर ने बौद्ध धर्म अपनाया था। नागपुर से पार्टी विधायक नितिन राउत ने मंगलवार को

बताया कि हैं तैयार हम थीम के साथ यह रैली पूरे देश में एक अच्छा संदेश देगी। कांग्रेस अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए बिगुल बजाएगी। पार्टी नेताओं के अनुसार, नागपुर के दिघोरी में मेगा रैली के लिए जोरदार तैयारी चल रही है, जहां लाखों लोग और कांग्रेस कार्यकर्ताओ के इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। पटोले ने कार्यक्रम स्थल पर संवाददाताओं से कहा कि जब भी देश पर संकट आया, कांग्रेस आगे आई और देश में एक बड़ा बदलाव आया। उन्होंने कहा कि आपातकाल के बाद (तत्कालीन प्रधानमंत्री) इंदिरा गांधी ने नागपुर में जनसभा की थी, और कांग्रेस को विदर्भ की सभी सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि इतिहास अपने आपको दोहरायगा और देश में एक बड़ा परिवर्तन होगा। पटोले ने यह भी कहा कि राहुल गांधी 14 जनवरी से पहले मणिपुर से पश्चिम भारत में मुंबई तक भारत न्याय यात्रा शुरू करेंगे। कांग्रेस विधायक राउत ने कहा कि पार्टी ने अपनी विचारधारा और सोच के कारण रैली के लिए नागपुर को चुना है। उन्होंने कहा कि एक तरफ संघ की विचारधारा है और दूसरी तरफ संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा है, जो कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ी है। राउत ने कहा कि जनता निश्चित रूप से कांग्रेस के नारे के साथ चलेगी और रैली आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बिगुल फूंकेगी। महाराष्ट्र कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीम खान ने कहा कि कांग्रेस ने देश के लोकतंत्र की रक्षा के लिए हैं तैयार हम का नारा दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश की आजादी के लिए 1947 से पहले लड़ाई का नेतृत्व किया था और अब कांग्रेस लोकतंत्र बचाने की अगली लड़ाई का बिगुल फूंकने जा रही है।

इराक को अमेरिका का कड़ा संदेश

देश की सुरक्षा के लिए हमला करने से नहीं हिचकिचाएंगे

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा देश की सुरक्षा के लिए इराक पर हमला करने से नहीं हिचकिचाएंगे। ऑस्टिन ने यह टिप्पणी इराक में ईरान समर्थित गतिविधियों को लेकर दी है। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने एक बयान में कहा कि ईरानी-प्रायोजित मिलिशिया द्वारा इराक और सीरिया में अमेरिकी कर्मियों के खिलाफ हमलों के जवाब में अमेरिकी सैन्य बलों ने इराक में तीन स्थानों पर आवश्यक और आनुपातिक हमले किए। ऑस्टिन ने आगे कहा कि अमेरिका की सुरक्षा से बढ़कर कोई उच्च प्राथमिकता नहीं है और वह देश, उसके सैनिकों और हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगा। लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन के निर्देश पर, अमेरिकी सैन्य बलों ने इराक में कातिब हिजबुल्लाह और संबद्ध समूहों के इस्तेमाल वाली तीन सुविधाओं पर हमले किए। इराक और सीरिया में अमेरिकी कर्मियों के खिलाफ एक प्रतिक्रिया है और इसका उद्देश्य ईरान-गठबंधन मिलिशिया समूहों की क्षमताओं को *बाधित और खराब* करना था। अमेरिका ने इन हमलों को *ईरानी-प्रायोजित मिलिशिया* द्वारा किए जाने का आरोप लगाया। ईरान से संबद्ध कताइब हिजबुल्लाह और एरबिल एयर बेस पर संबद्ध समूहों का हमला शामिल था।

कोविड पर राज्य सरकार ने किया टास्क फोर्स का पुनर्गठन

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने कोविड-19 मामलों में वृद्धि को देखते हुए सात सदस्यों वाली एक टास्क फोर्स का पुनर्गठन किया है। इस टास्क फोर्स का नेतृत्व आईसीएमआर के पूर्व प्रमुख डॉ. रमन गंगाखेडकर करेंगे। देशभर में कोविड-19 के मामले में एक बार फिर से तेजी से बढ़ने लगे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने इन्साकॉग की रिपोर्ट के आधार पर जनवरी के पहले सप्ताह में कोरोना के दैनिक मरीजों की संख्या भी दोगुना से अधिक होने की आशंका जताई है। कोरोना वायरस का नया उप स्वरूप जेएन.1 अब तक सात राज्यों में मिला है।

पुणे में कॉलेज के पास 12 सिलेंडर फटे, मची भगदड़

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे शहर के विमान नगर इलाके में सिम्बायोसिस कॉलेज के पास कम से कम 10 से 12 सिलेंडर फट गए हैं। मिली जानकारी मुताबिक, अंडर-इंसट्रक्शन साइट पर करीब 100 एलपीजी गैस सिलेंडर अवैध रुप से रखे हुए थे। उनमें से 10 सिलेंडर आग लगने के बाद फट गए। मौके पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौजूद हैं। घटनास्थल पर सिलेंडर फटने के बाद वहां भगदड़ मच गई। पुणे नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी देवेंद्र पोटफोडे ने बताया कि यह घटना दोपहर 2:45 से 3:00 के बीच घटित हुई है। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। अधिकारी ने कहा कि एक टिन शेड के नीचे खुली जगह में लगभग 100 सिलेंडर रखे गए थे। सिलेंडरों में एक के बाद एक कर आग लगने से जोरदार धमाका हुआ।

इजराइल ने भारत में अपने नागरिकों के लिए जारी किया परामर्श

तेल अवीव (हि.स.)। इजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में अपने नागरिकों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है। इसमें संदेह व्यक्त किया है कि मंगलवार को नई दिल्ली में इजराइल के दूतावास के पास हुआ विस्फोट आतंकवादी हमला हो सकता है। इस परामर्श को इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की वेबसाइट पर साझा किया गया है। इस परामर्श में कहा गया है कि नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित इजराइल के दूतावास के पास मंगलवार शाम एक विस्फोट हुआ और घटनास्थल से इजराइल के राजदूत को *अभद्र भाषा* में संबोधित एक पत्र बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने भारत में रह रहे अपने नागरिकों को भीड़भाड़ वाली जगहों जैसे मॉल और बाजार पर जाने से बचने की सलाह दी है। यहूदियों और इजराइलियों के रूप में पहचाने जाने वाले स्थानों पर भी न जाने की सलाह दी गई है।

उत्साह के साथ संपन्न हुआ द्वितीय पूर्वोत्तर गोर्खा महोत्सव

गुवाहाटी। जैसा कि सबको विदित है कि गुवाहाटी महानगर के खानापाड़ा स्थित वेटरनरी ग्राउंड में 24 से लेकर 27 दिसंबर तक *द्वितीय पूर्वोत्तर गोर्खा महोत्सव* चल रहा है। आज महोत्सव का आखरी दिन है। आखरी दिन होने के कारण यहां लोगों की काफी भीड़ दिखी और साथ में इस उत्सव को लेकर उत्साह भी। इस महोत्सव में गोर्खा समुदाय की विभिन्न जातियों की संस्कृति, कला, खान-पान, वेश-भूषा, नृत्यगित आदि का विशेष प्रदर्शन किया गया है। यहां एक विशेष आकर्षण गोर्खा साहित्य का पुस्तक पंडाल भी है। असम में नेपाली साहित्य सभा के होते हुए अलग से गोर्खा साहित्य सभा का बैनर होना कौतूहल का विषय अवश्य लगा। बातचीत में पता लगा कि असम में गोर्खा जाती को *नेपाली* कहकर हमेशा एक भ्रम की स्थिति पैदा की जाती है। वास्तविकता ये है कि ये गोर्खा जाती है और भारत के किसी और जाती की तरह ही गोर्खा भी एक भारतीय जाती है। नेपाली नेपाल देश के नागरिक को कहा जाता है। *भारतीय गोर्खा* अथवा *नेपाली गोर्खा* या अन्य देश के गोर्खा के रूप में ये जाती पहचानी जानी चाहिए। इसी तरह नेपाली साहित्य सभा में प्रयुक्त *नेपाली* शब्द भी भारतीय गोर्खा के

प्रति एक भ्रम पैदा करता है। इसलिए *असम गोर्खा साहित्य सभा* के नाम से नई सभा का गठन हुआ है। इसी असम गोर्खा साहित्य सभा का पुस्तक पंडाल पूर्वोत्तर गोर्खा उत्सव में लगाया गया है। पंडाल में गोर्खा भाषा में लिखी नाना प्रकार की पुस्तकें उपलब्ध हैं और उत्सव में आने वाले लोग भारी तादात में रुचि लेते भी दिखे। असम गोर्खा साहित्य सभा के संयोजक लब गोर्खा पौडेल ने बताया कि उनका ध्येय उनकी इस अवधारणा को जन जन तक पहुंचना है। इसलिए लिए *गोर्खा ज्योति* नामक मासिक पत्रिका भी निकाली गई है। कुटुंब एप, वेब पोर्टल, वेब साइट का भी प्रारंभ किया गया है। जूम एप में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए लेखक और बुद्धजीवी समाज से संपर्क भी साधा जा रहा है। पारंपरिक तरीके से *गोर्खा जाती नेपाली भाषा* की मान्यता के राह पर चलती असम की नेपाली साहित्य सभा और गोर्खा जाती गोर्खा भाषा के सिद्धांत पर चल पड़ी नई असम गोरखा साहित्य सभा का भविष्य में विलय होगा, या दोनो का अलग अस्तित्व बना रहेगा, या आपस में कोई खींचतान और बर्चस्व की लड़ाई दिखेगी ये देखने का विषय होगा। असम गोर्खा साहित्य सभा संसार के समस्त गोर्खा लोगों को एकसूत्र में पिरोने के लिए ग्लोबल गोर्खा यूनिटी मिशन के तहत वर्ल्ड गोर्खा फेडरेशन का भी गठन कर चुका है। इसकी एक सभा साल 2024 के मार्च महीने में प्रतावित की गई है। अभी तक वर्ल्ड गोर्खा फेडरेशन के तहत 12 देशों और भारत के 17 प्रांतों के प्रतिनिधियों को जोड़ा गया है। कुछ भी हो, द्वितीय पूर्वोत्तर गोर्खा उत्सव एक सफल आयोजन रहा। यहां करीब 3 लाख लोगों का सांस्कृतिक जमावड़ा असम में गोर्खा जाती की मजबूत उपस्थिति, उनकी गहराई से भरी सांस्कृतिक विरासत और जातीय एकता को दर्शाता है। संसार की वीर जातियों में अग्रणी गोर्खा जाती के सफल संस्कृति उत्सव का आयोजन असम तथा भारत के अन्य जातियों को भी इस दिशा में पहल करने को प्रेरित करेगा। गोर्खा विकास परिषद (डीजीसी) और गोर्खा छात्र संगठन (आग्सू) इसके लिए बधाई के पात्र हैं।

पृष्ठ एक का शेष

एक लाख नौकरी...

की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। यह भर्ती अभियान पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करने और विभाग में योग्य व्यक्तियों को नियुक्त करके शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने की असम सरकार की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

पुलिस बर्बरता के...

गांव के निवासी दीपांकर गोगोई के रूप में हुई, जिसने यह कदम उठाया और आत्महत्या कर ली। परिवार के सदस्यों का आरोप है कि हाल ही में पुलिस की प्रताड़ना को सहन नहीं कर पाने के कारण उसने यह कदम उठाया। दीपांकर से कथित तौर पर अल्फा-इंडिपेंडेंट लिंकमैन होने के संदेह में पूछताछ की गई थी, और 14 दिसंबर को लिचुबाड़ी सैन्य अड्डे के बाहर हुए ग्रेनेड विस्फोट की घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही थी। दीपांकर को चार दिनों के लिए पुलिस स्टेशन बुलाया गया था, जहां उसे कथित तौर पर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया है। उनका शव उनके घर के पीछे एक पेड़ से लटका हुआ मिला। उनकी मौत के बाद मृतक के परिजन आरोप लगा रहे हैं कि दीपांकर ने पुलिस की प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं कर पाने के कारण यह कदम उठाया।

शांति समझौते पर ...

अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा भी मौजूद रहेंगे। भारत सरकार, असम सरकार और अल्फा के वार्ता समर्थक गुट के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर से असम में स्थायी शांति का एक नया युग शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। इससे पहले, असम के सीएम हिमंत शर्मा ने मंगलवार को कहा था कि वार्ता समर्थक अल्फा समूह के साथ शांति समझौते में राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सुरक्षा उपायों के साथ-साथ भूमि अधिकार भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा था कि अल्फा-समर्थक वार्ता गुट की मांगों में असम के 126 विधानसभा क्षेत्रों में से 102 को स्वदेशी लोगों के लिए आरक्षित करना, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अद्यतन करना, स्वदेशी समूहों को भूमि अधिकार देना, छह स्वदेशी जनजातियों को एसटी का दर्जा देना, असम बाढ़ को बाढ़ घोषित करना शामिल है।

असम-त्रिपुरा में ...

से जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि त्रिपुरा में खोवाई से हरिना तक सड़क बनाने के लिए साल 2015 में घोषणा की गई थी। इस सड़क को बनाने का काम तेजी से चल रहा है। इस परियोजना में जापान की कंपनी 1511 करोड़ रुपए लोन के रूप में देगी। इसमें ऊत्तर त्रिपुरा को दक्षिण त्रिपुरा को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस के अलावा मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि बिहार में दीघा से सोनपुर जिले के बीच गंगा नदी पर 6 लेन केबल ब्रिज बनाने का निर्णय लिया गया है। इसे 42 महीने में पूरा किया जाएगा और इसे बनाने में 3,064 करोड़ रुपए खर्च होंगे। बड़ी बात ये है कि इस पुल के नीचे से बड़े जहाज भी आसानी से आ जा सकेंगे।

राहुल गांधी मणिपुर ...

को मणिपुर से 6,200 किलोमीटर की *भारत न्याय यात्रा* शुरू की जाएगी। 14 राज्यों के 85 जिलों से होते हुए 20 मार्च को इस यात्रा का समापन मुंबई में होगा। पूर्व से पश्चिम तक निकाली जाने वाली यह भारत न्याय यात्रा देश के लोगों को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय दिलाने के लिए होगी। यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए केसी वेणुगोपाल ने कहा कि 21 दिसंबर को कांग्रेस कार्यसमिति ने राय दी थी कि राहुल गांधी को पूर्व से पश्चिम तक यात्रा शुरू करनी चाहिए। राहुल गांधी भी कांग्रेस कार्य समिति की इच्छा पूरी करने के लिए सहमत हो गए हैं। इसलिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने 14 जनवरी से 20 मार्च तक मणिपुर से मुंबई तक भारत न्याय यात्रा आयोजित करने का निर्णय लिया है। 14 जनवरी को इंफाल से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भारत न्याय यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि पहले चरण में राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 12 राज्यों में लगभग 4,500 किलोमीटर की यात्रा की थी। इस बार वह 14 राज्यों को कवर करते हुए 6,200 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि भारत न्याय यात्रा मणिपुर, नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगी। जयराम रमेश ने कहा कि भारत न्याय यात्रा ज्यादातर बस से की जाएगी। हालांकि यात्रा के दौरान हर दिन पदयात्रा भी निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने तीन मुद्दे आर्थिक विषमता, सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक तानाशाही को उठाया थ। लेकिन भारत न्याय यात्रा का मुद्दा आर्थिक न्याय, सामाजिक न्याय और राजनीतिक न्याय है।

आरबीआई धमकी मामला...

इंडिया को मंगलवार को धमकी भरा ई-मेल मिला था। इसमें आरबीआई, एचडीएफसी समेत 11 स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। साथ ही आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से इस्तीफा देने की मांग की गई थी। इसके बाद मुंबई क्राइम ब्रांच, महाराष्ट्र एटीएस और गुजरात एटीएस ने संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस को वडोदरा के पादरा से एक संदिग्ध युवक की जानकारी मिली, बाद में पाणी गेट क्षेत्र से भी दो लोगों को पकड़ा गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार मुंबई क्राइम ब्रांच खिलाफत इंडिया मूवमेंट के साथ जुड़े होने की आशंका में आदिल, अर्सील और वसीम नामक व्यक्ति को पकड़ा है। पूछताछ के लिए इन्हें मुंबई ले जाया गया है।

म्यांमार में अस्थिरता ...

प्रमुख परेश बरुआ को हथियार छोड़ कर मुख्य धारा में शामिल होने का आह्वान किया। जल्द ही सेवानिवृत्त होने वाले कलिता ने आज एक पत्रकार वार्ता में कहा कि दोनों समुदायों के पास हथियारों की उपलब्धता, चाहे वे मणिपुर पुलिस शस्त्रागार से चुराए गए हों, या म्यांमार से प्राप्त किए गए हों, एक चुनौती बनी हुई है। सशस्त्र बलों का कर्तव्य हिंसक गतिविधियों को रोकना है। उन्होंने आगे कहा कि उन सभी हथियारों को बरामद करने की जरूरत है, जो पुलिस शस्त्रागार से चुराए गए थे या जो विभिन्न स्रोतों से लोगों को उपलब्ध कराए गए थे। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि समाज सभी प्रकार के हथियारों से मुक्त रहे। पूर्वी सेना के कमांडर ने कहा कि सशस्त्र बलों लगातार इस दिशा में काम कर रहे हैं और पिछले पांच-छह महीनों में कई हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा दोनों समुदायों में विश्वास बहाली प्रयास किए जा रहे हैं। यह कहते हुए कि दोनों समुदायों के राजनीतिक और नागरिक समाज स्तरों पर बातचीत पहले से ही हो रही है, उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यही एकमात्र रास्ता है, जिसके माध्यम से आप स्थायी समाधान की तलाश कर सकते हैं। कलिता ने कहा कि म्यांमार में जुंटा और प्रतिद्वंद्वी ताकतों के बीच संघर्ष भारत की सीमा के करीब के क्षेत्रों में फैल गया है। इस कारण म्यांमार सीमा के करीब स्थित गांवों से नागरिक शरण लेने के लिए भारतीय सीमा में आते हैं, जो निश्चित रूप से चिंता का कारण बनती है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि असम सहित पूर्वोत्तर में आतंकवाद में काफी कमी आई है। भारतीय सेना भी कई तरह के कार्यक्रम चलाकर युवाओं को रास्ता दिखा रही है। उन्होंने अल्फा के वार्ता समर्थक गुट के केंद्र सरकार के साथ बातचीत के बीच, अल्फा (आई) प्रमुख परेश बरुआ को हथियार छोड़ कर मुख्य धारा में शामिल होने का आह्वान किया। कलिता ने कहा कि सीमावर्ती गांवों में शुरू की गई वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम से गांवों कायाकल्प होगा। युवाओं को गांवों में ही बेहतर रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे। सीमावर्ती गांव विकास के नए आयाम छुएंगे।

चुनाव से पहले ...

सरकारी तेल कपनियों की माली हालत काफी मजबूत बनकर उभरी है। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम व भारत पेट्रोलियम को संयुक्त तौर पर 58,198 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है। जबकि पिछले वित्त वर्ष (2022-23) की पहली छमाही में इन तीनों कंपनियों को 3,805.73 करोड़ रुपए का संयुक्त तौर पर घाटा हुआ था। पिछले वर्ष इन कंपनियों को हुए घाटे की भरपाई के लिए केंद्र सरकार को बजट से आवंटन करना पड़ा था। तीसरी तिमाही (अक्तूबर- दिसंबर, 2023) में भी इन कंपनियों को जबरदस्त मुनाफे की संभावना के है। ऐसे में सरकार पर इन कंपनियों की माली हालत को लेकर कोई दबाव नहीं है। बहरहाल, इस बारे में फैसला उच्च स्तर पर ही लिया जाएगा।

केंद्र ने मुस्लिम...

अलगाववादी गतिविधियों मे शामिल हैं और जम्मू और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों और लोगों को भड़काकर वहां इस्लामिक शासन स्थापित करने को समर्थन देने में लिप्त हैं। गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार का संदेश एकदम स्पष्ट है कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ कार्य करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उसे कानून के तहत कठोरतम सजा दी जाएगी। मुस्लिम लीग जम्मू-कश्मीर (मसरत आलम गुट)/ एमएलजेके- एमए संगठन और इसके सदस्य जम्मू और कश्मीर में राष्ट्रविरोधी और अलगाववादी गतिविधियों मे शामिल हैं और जम्मू और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों और लोगों को भड़काकर वहां इस्लामिक शासन स्थापित करने को समर्थन देने में लिप्त हैं। इस संगठन के सदस्य लोगों को भड़काकर जम्मू और कश्मीर में इस्लामिक शासन स्थापित करना चाहते हैं, जो भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता के लिए हानिकारक है। इस संगठन के खिलाफ विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (यूएपीए), 1967, भारतीय दंड संहिता, 1860, आर्म्स एक्ट, 1959 और रनबीर दंड संहिता, 1932 की विभिन्न धाराओं के तहत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत, गृह मंत्रालय द्वारा 2023 में अब तक 4 संगठनों को आतंकी संगठन, 6 व्यक्तियों को आतंकवादी और 2 संगठनों को विधिविरुद्ध संगठन घोषित किया जा चुका है।

राम मंदिर आंदोलन...

होते देख उन्हें खुशी है। प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया है। उन्होंने इस तरह के निमंत्रण के लिए नहीं, बल्कि लाठी-गोली खाने के लिए आंदोलन चलाया था। उन्हें इस बात की खुशी है कि उनके जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य आज पूरा होने जा रहा है। उन्हें इस बात का सदैव गर्व रहेगा कि उन्होंने इस आंदोलन के लिए 1984 से 2018 तक हर मोर्चे पर अपनी सहभागिता दी। आंदोलन चलाने के पीछे हमारा उद्देश्य था कि भगवान राम को उनकी जन्मभूमि पर विराजमान किया जाए। आज वह संकल्प पूरा होते देख उन्हें बेहद हर्ष हो रहा है। इससे बढ़कर कोई दूसरी बात उनके लिए नहीं हो सकती। प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण केवल एक मंदिर का बनना नहीं है। यह भारत के सनातन गौरव की वापसी और हिंदुत्व के वैश्विक पटल पर उत्थान का काल है। इस अवसर पर उन आंदोलनकारियों का सम्मान किया जाना चाहिए, जिन्होंने राम मंदिर के लिए नि:स्वार्थ आंदोलन चलाया था और अपने प्राणों की आहूति दी थी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को उद्घाटन अवसर पर ही विहिप के सबसे बड़े नेता अशोक सिंहल, महंत अवैद्यनाथ, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह, आचार्य धर्मेंद्र जैसे लोगों को भारत रत्न देने की घोषणा करनी चाहिए। साथ ही जिन राम भक्तों ने आंदोलन में अपने प्राणों को न्योछावर किया था, उन्हें भी पद्मश्री देकर उनका सम्मान करना चाहिए।

एमफिल मान्यता प्राप्त...

एम.फिल. (मास्टर ऑफ फिलॉसफी) पाठ्यक्रम के लिए नए आवेदन आमंत्रित कर रहे हैं। इस संबंध में यह ध्यान में लाना है कि एम.फिल. डिग्री कोई मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं है। उन्होंने कहा कि यूजीसी (पीएचडी डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम मानक और प्रक्रियाएं) विनियम 2022 की विनियम संख्या 14 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उच्च शैक्षणिक संस्थान एम.फिल. पाठ्यक्रम की पेशकश नहीं करेंगे। जोशी ने कहा कि इस संबंध में यह सूचित किया जाता है कि यूजीसी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पीएचडी डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम मानक और प्रक्रियाएं) विनियम, 2022 तैयार किया है, जिसे 7 नवंबर, 2022 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालयों के अधिकारियों से अनुरोध है कि वे 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए एमफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश रोकने के लिए तत्काल कदम उठाएं। इसके अलावा छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे एमफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश न लें।

सेलिब्रिटी अब नहीं ...

प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने सभी डिजिटल मध्यस्थों को मौजूदा आईटी नियमों का सक्रिय रूप से पालन करने के लिए एक सलाह जारी की। ये निर्देश विशेष रूप से गलत सूचना और डीपफेक के संदर्भ में दी गई है। आईटी मंत्रालय ने अवैध ऋण और सट्टेबाजी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने के लिए मध्यस्थों के दायित्व को भी रेखांकित किया है। आईटी मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि मध्यस्थों/प्लेटफार्मों को उपयोगकर्ताओं को घोटाला करने और गुमराह करने की क्षमता वाले अवैध ऋण और सट्टेबाजी ऐप्स के विज्ञापन जारी नहीं हो। इसके लिए विशेष उपाय करने की जरूरत है, यदि यह प्रकाशित होती है, तो इसके परिणामों की पूरी जिम्मेदारी बिचौलियों/प्लेटफार्मों की होगी। यह सलाह डीपफेक, गलत सूचना और अवैध ऋण और सट्टेबाजी ऐप्स के प्रसार जैसे खतरों से निपटने के लिए सरकार के निर्णायक प्रयासों की पृष्ठभूमि में आई है। बता दें कि अक्तूबर में एक बैठक के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने अवैध सट्टेबाजी ऐप्स के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई पर चर्चा की थी। बैठक के दौरान, आईटी मंत्रालय ने आरबीआई से बैंकों के लिए अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) प्रक्रिया को अधिक व्यापक बनाने का आग्रह किया था। इस प्रस्तावित केवाईसी प्रक्रिया, जिसे नो योर डिजिटल फाइनेंस ऐप (केवाईडीएफए) कहा जाता है, की परिकल्पना ऋण ऐप्स का प्रभावी ढंग से पता लगाने के लिए की गई है।

युगांडा में 70 साल...

महिला ने इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन प्रक्रिया के लिए एक डोनर के अंडे और अपने साथी के शुक्राणु का इस्तेमाल किया। बच्चों का जन्म समय से पहले 31 सप्ताह में हुआ और उन्हें इनक्यूबेटर में रखा गया है, जो फिलहाल स्वस्थ्य हैं। अस्पताल ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, यह एक चमत्कार जैसा है..मां और बच्चे दोनों ठीक हैं। सफीना नामुकवेया और हमारी टीम को इसके लिए बधाई। बता दें कि, इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) के दौरान महिला के अंडाशय से एक अंडा निकाला जाता है, जिसे प्रयोगशाला में शुक्राणु के साथ निषेचित किया जाता है और निषेचित अंडे को बढ़ने और विकसित होने के लिए महिला के गर्भ में डाल दिया जाता है। युगांडा के डेली मॉनिटर अखबार से बातचीत में महिला ने बताया कि उनकी प्रेग्नेंसी काफी कठिन थी, क्योंकि जब उनके पार्टनर को पता चला कि उनके जुड़वां बच्चे होने वाले हैं तो उन्होंने साथ छोड़ दिया। नामुकवेया की तीन वर्षों में यह दूसरी डिलीवरी है। इससे पहले 2020 में उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया था। उन्होंने कहा कि उसका नि:संतान होने का मजाक उड़ाया जाता था, इसकी वजह से उन्होंने दूसरा बच्चा पैदा करने का फैसला किया। मैंने लोगों के बच्चों की देखभाल की और उन्हें बड़े होते देखा और मुझे अकेला छोड़ दिया गया। मुझे इस बात की चिंता थी कि जब मैं बूढ़ी हो जाऊंगी तो मेरी देखभाल कौन करेगा? अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उसने दाता अंडे का उपयोग किया था या अपने स्वयं के अंडे का, जिसे उसने वर्षों पहले फ्रीज कराया था। आमतौर पर महिलाएं 45 से 55 वर्ष की उम्र के बीच मेनोपॉज से गुजरती हैं। इस समय के आसपास प्रजनन क्षमता कम हो जाती है लेकिन चिकित्सा में प्रगति ने उनके लिए बच्चे को जन्म देना संभव बना दिया है।

अब से अयोध्या...

किया गया। करोड़ों रुपए की लागत से रेलवे स्टेशन भवन को मंदिर के रूप में विकसित किया गया। यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं भी सुनिश्चित की गईं। लिफ्ट एवं स्वचालित सीढ़ियां लगाई गईं। अयोध्या रेलवे स्टेशन को त्रेता युग की आभा को प्रदर्शित करने वाले स्थल के रूप में तैयार किया गया है। इस स्टेशन को देखकर आपको भव्य मंदिर का अहसास होगा। यहां से राम मंदिर करीब एक किलोमीटर दूर है। लगभग 50 हजार यात्रियों की क्षमता इस स्टेशन की है। आगामी 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे।

गोर्खाओं की समस्या समाधान के प्रति सरकार प्रतिबद्ध : अशोक सिंघल

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने कहा है कि गोर्खाओं की समस्याओं के समाधान के प्रति असम सरकार प्रतिबद्ध है। वे आज राजधानी के खानापाड़ा पशु चिकित्सा विद्यालय खेल मैदान में गोर्खा सम्मेलन के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री सिंघल ने कहा कि गोर्खा समुदाय असमिया भाषा, साहित्य और संस्कृति के साथ-साथ राष्ट्र की रक्षा में विशेष जिम्मेदारी के साथ काम कर रहा है। सीमा के रक्षक के रूप में गोर्खा समुदाय के योगदान का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मौत से नहीं डरने वाले पराक्रमी जाति के रूप में उनकी विशेष प्रतिष्ठा है। उन्होंने कहा कि असम के अन्य

जातीय समूहों की तरह गोरखा समुदाय की भी विभिन्न समस्याएं हैं। मंत्री ने कहा कि इन समस्याओं को हल करने के लिए राज्य सरकार ने गोर्खा छात्र संघ, गोरखा सम्मेलन, गोर्खा साहित्य सभा के साथ अलग-अलग समय पर विभिन्न बैठकों में विभिन्न कदम उठाए हैं। गोर्खा समुदाय की भूमि की समस्या के समाधान में, डी-वोटरों की समस्या के समाधान में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा निभाई गई सकारात्मक भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गोरखा समुदाय की हर समस्या का समाधान सरकार द्वारा किया गया है और उन्हें विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए काम किया जा रहा है। बाद में सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि आज अखिल असम गोरखा छात्र संघ के 17वें केंद्रीय द्विवार्षिक सत्र और दूसरे पूर्वोत्तर गोरखा महोत्सव 2023 में भाग लेकर बहुत खुशी हो रही है। इस अवसर पर मैं (मंत्री) समग्र रूप से एएजीएसयू और असम के सभी गोरखा भाइयों और बहनों को बधाई देता हूं। इस अवसर पर असम विधान सभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी, सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजू बिस्ता, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी जयंत मल्लबरुवा, विधायक भास्कर शर्मा, गणेश कुमार लिम्बू, अतुल बोरा और पृथ्वीराज रवा और गोरखा समुदाय के कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

मंत्री पीयूष ने डिमा हसाउ चुनावी सभा को किया संबोधित

डिमा हसाउ (हिंस)। आगामी डिमा हसाउ स्वायत्त परिषद चुनावों के मद्देनजर आज राज्य के सूचना प्रसारण, जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका 11 नंबर कलाचंद परिषद निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि बैठक में लोगों की गर्मजोशी भरी भागीदारी और विश्वास को देखकर वे अत्यंत प्रेरित हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार रतन जरामबुसा को भारी मतों के अंतर से जिताएं। कार्यक्रम में विधायक कौशिक राय सहित परिषद के कई सदस्य, पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे।

सरकार को परेश बरुवा से भी बातचीत करनी चाहिए: भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा का कहना है कि सरकार को अल्फा-प्रो के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद परेश बरुवा से भी बातचीत करनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा आज धुबड़ी में विपक्षी दलों की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। राज्य में हालिया मुठभेड़ों की निंदा करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन अल्फा-स्वा के साथ कथित संबंधों के नाम पर बहुत सारे युवाओं का खून बहाया गया है। भूपेन बोरा ने कहा कि वे राज्य सरकार से इन सभी मुठभेड़ों को जल्द से जल्द रोकने की मांग करते हैं। आगामी लोकसभा चुनावों के बारे में बोलते हुए बोरा ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों में राज्य के 15 विपक्षी दलों ने भाजपा से लड़ने के लिए 14 निर्वाचन क्षेत्रों में से प्रत्येक में एक उम्मीदवार ही सामूहिक रूप से खड़ा करने का फैसला किया है।

कछार में हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

कछार (हिंस)। पुलिस ने कछार जिले में हेरोइन के साथ दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आज बताया कि सोनाई थाना के प्रभारी महात्मा मानस हैंडिक के नेतृत्व में सोनाई-काबूगंज मार्ग पर छापा मारकर एक ऑल्टो कार (एएस-24-5885) से हेरोइन जब्त की गई। आल्टो की तलाशी के दौरान पुलिस ने वाहन से हेरोइन से भरे दो साबुनदानी बरामद किए। दोनों साबुनदानी से 26 ग्राम हेरोइन जब्त की गई है। पुलिस ने हेरोइन सप्लाई करने के आरोप में साहानूर आलम मजूमदार नामक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार साहानूर आलम सोनाई कचूदरम के बाउरीकांदी का रहने वाला है। शाहनूर आलम के साथ एक नाबालिग को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों से सोनाई थाने में पूछताछ की जा रही है।

भारतीय रेल ने नेपाल के लिए कंटेनर परिवहन शुरू की

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के कटिहार मंडल के अंतर्गत भारतीय कस्टम यार्ड (आईसीवाई) - नेपाल कस्टम यार्ड सेक्शन के भारतीय कस्टम यार्ड रेलवे स्टेशन पर आज स्पंज आयरन से लदा पहला निर्यात कार्गो कंटेनर ट्रेन पहुंचा। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया कि यह खेप दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत मुर्गा महादेव रोड स्थित मैसर्स टाटा स्पंज आयरन लिमिटेड की प्राइवेट साइडिंग से लोड की गई थी। कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) द्वारा इस खेप को मैसर्स पशुपति आयरन एंड स्टील प्राइवेट लिमिटेड, विराट नगर (नेपाल) पहुंचाया जाएगा। जोगबनी में कस्टम इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट से क्लीयरिंग मिलने के बाद भारतीय कस्टम यार्ड रेलवे स्टेशन से नेपाल तक यह सामग्री संपूर्ण रूप से ट्रकों से ले जाया जाएगा। यह उल्लेखनीय है कि इससे पहले 01 जून को भारत और नेपाल के प्रधानमंत्री द्वय नरेंद्र मोदी और पुष्प कमल दहल *प्रचंड* ने संयुक्त रूप से बिहार के बथनाहा से नेपाल कस्टम यार्ड के लिए भारतीय रेल कार्गो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी। यह जोगबनी-बिराटनगर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार रेल लिंक परियोजना का एक हिस्सा है, जो भू-बुद्ध देश नेपाल को रेल पहुंच प्रदान करेगी। यह कनेक्टिविटी नेपाल को रेलवे के माध्यम से भारत के समुद्री बंदरगाहों तक सीधी पहुंच प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करेगी, जिसके परिणामस्वरूप देश के लिए लॉजिस्टिक लागत काफी हद तक कम हो जाएगी। पूर्व में, नेपाल में सामग्री परिवहन मुख्य रूप से सड़क मार्ग द्वारा किया जाता था। रेलवे कनेक्टिविटी नेपाल के साथ विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का सस्ता परिवहन सुनिश्चित करेगी। भारतीय रेल इस क्षेत्र के समग्र विकास हेतु सीमा पार कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मणिपुर के लोग ऑनलाइन दर्ज करवा सकेंगे शिकायतें

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के लोग अब अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करवा सकेंगे। इसके लिए आज एक ऑनलाइन पोर्टल राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त कोइजम राधेश्याम द्वारा लांच किया गया। मणिपुर सूचना आयोग ने उच्चतम् न्यायालय के निर्देश का पालन करते हुए अपील और शिकायत मामले की ऑनलाइन फाइलिंग (ई-फाइलिंग) की सुविधा उपलब्ध कराई है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए, शिकायतकर्ता, अपीलकर्ता वेबसाइट पर जाकर शिकायत दर्ज करा सकता है।

भवेश कलिता ने 16 नेताओं को किया भाजपा से निष्कासित

डिमा हसाउ (हिंस)। उत्तर कछार पर्वतीय स्वायत्त परिषद चुनावों को लेकर भाजपा में उम्मीदवारी को लेकर खींचतान के बीच पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने एक आदेश के जरिए 16 लोगों को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। गौरतलब है कि इन 16 लोगों को पार्टी का टिकट नहीं दिया गया है और ये निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। निष्कासित किए गए नेताओं में भाजपा युवा ईएम और पूर्व नेता मोर्चा के कई शामिल हैं। भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता द्वारा जारी आदेश के आधार पर निष्कासित नेताओं में जतिंगा निर्वाचन क्षेत्र के लम्मेथिएम टिउल, माहुर निर्वाचन क्षेत्र के राहुल नाईदिंग, हांग्रुम निर्वाचन क्षेत्र के सिल्वियास एल खजूल, पी बी नियोम, लिसन निर्वाचन क्षेत्र के पी जेमी, कालासंड निर्वाचन क्षेत्र के प्रणेन हाफलोंगबार, वाजाओ निर्वाचन क्षेत्र के पुनुस नुनिसा और हातिखली निर्वाचन क्षेत्र के बिमल होजाई और हेमंत केंद्राई शामिल हैं। लोअर खारथोंग से लालरपुई मार, दलंग नंबर 26 से एस रंगखोल, दिगेर निर्वाचन क्षेत्र से जयदेश फांगलो और सेमखर निर्वाचन क्षेत्र से हरजीत जिदुंग शामिल हैं।

रंगिया : भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर भाजपा ने मनाया सुशासन दिवस

रंगिया (विभास)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर कामरूप जिला समिति द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंगिया के ऐतिहासिक हरदत्त- बीरदत्त भवन प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही भाजपा जिलाध्यक्ष सुबल पाल की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें वाजपेयी जी के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात भाजपा जिलाध्यक्ष पाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में जाकर मरीजों को फल-मूल वितरित किया। कार्यक्रम में पचास से भी अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा ने दिया इस्तीफा

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय पुलिस सेवा के 2011 बैच के अधिकारी तथा लखीमपुर के पुलिस अधीक्षक आनंद मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने असम के मुख्य सचिव को सौंप गए इस्तीफा पत्र में कहा है कि वे आईपीएस अधिकारी के अलावा अपने जीवन के अन्य गोल को पूरा करने के लिए यह इस्तीफा दे रहे हैं। उनका इस्तीफा बिना शर्त और एकतरफा है। ज्ञात हो कि आनंद मिश्रा को हिंसा प्रभावित मणिपुर के लिए गठित की गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का विशेष अधिकारी अभी हाल ही में बनाया गया था। उल्लेखनीय है कि आनंद मिश्रा असम पुलिस के सिंघम स्टाइल के पुलिस अधिकारी माने जाते रहे हैं, जिन्होंने ड्रग्स तस्करी, नकली सोने के कारोबार, पशु तस्करी से लेकर तमाम तरह के आपराधिक वारदातों पर सख्ती बरतने को लेकर ख्याति अर्जित की है। फिलहाल वे लखीमपुर के पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात हैं। इससे पहले वे नगांव में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत थे, जहां कीर्ति कमल बोरा नामक एक कथित ड्रग्स तस्कर को गोली मारने को लेकर उनके खिलाफ विवाद पैदा हुआ था। नगांव से पहले वे धुबड़ी के पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं। लोगों के पसंदीदा आईपीएस अधिकारी ने आखिरकार किस कारण से इस्तीफा दिया यह तो वे स्वयं ही बता सकते हैं, लेकिन ऐसी चर्चा है कि वे बिहार भाजपा में शामिल होकर बिहार की राजनीति करेंगे।

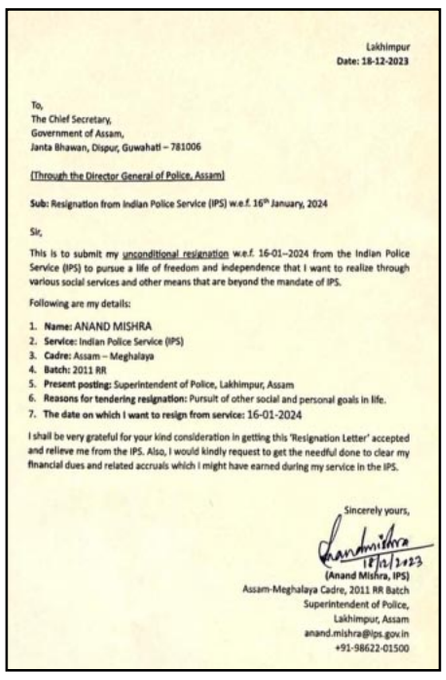

Lakhimpur
Date: 18-12-2023

To,
The Chief Secretary,
Government of Assam,
Janta Bhawan, Dispur, Guwahati – 781006

(Through the Director General of Police, Assam)

Sub: Resignation from Indian Police Service (IPS) w.e.f. 16th January, 2024

Sir,

This is to submit my unconditional resignation w.e.f. 16-01-2024 from the Indian Police Service (IPS) to pursue a life of freedom and independence that I want to realize through various social services and other means that are beyond the mandate of IPS.

Following are my details:

1. **Name:** ANAND MISHRA
2. **Service:** Indian Police Service (IPS)
3. **Cadre:** Assam – Meghalaya
4. **Batch:** 2011 RR
5. **Present posting:** Superintendent of Police, Lakhimpur, Assam
6. **Reasons for tendering resignation:** Pursuit of other social and personal goals in life.
7. **The date on which I want to resign from service:** 16-01-2024

I shall be very grateful for your kind consideration in getting this 'Resignation Letter' accepted and relieve me from the IPS. Also, I would kindly request to get the needful done to clear my financial dues and related accruals which I might have earned during my service in the IPS.

Sincerely yours,
18/12/2023
(Anand Mishra, IPS)
Assam-Meghalaya Cadre, 2011 RR Batch
Superintendent of Police,
Lakhimpur, Assam
anand.mishra@ips.gov.in
+91-98622-01500

प्रतिमा बरुवा पांडे को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। ग्वालपारिया लोक गीतों की साम्राज्ञी प्रतिमा बरुवा पांडे को उनकी पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया है। सोशल मीडिया के जरिए दिए गए अपने श्रद्धांजलि संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालपारिया लोक गीतों की साम्राज्ञी प्रतिमा बरुवा पांडे की आवाज असम की मिट्टी के स्वर को प्रतिध्वनित करती हैं। आज मैं (मुख्यमंत्री) प्रख्यात कलाकार, *पद्मश्री* पुरस्कार विजेता प्रतिमा बाईदेव को पुण्यतिथि के मौके पर हार्दिक सम्मान के साथ याद करता हूं। *हाथी की बेटी* ने असम के समृद्ध लोक संगीत को वैश्विक पहचान दी है। उनकी धुन हमेशा हमारी सांस्कृतिक दुनिया में गूंजती रहेगी।

कर्मों का फल सबको भोगना पड़ता है : आचार्य प्रमुख सागर

गुवाहाटी। कर्मों की व्यवस्था सब की अवस्था है हर जीव की व्यस्था है, और हर जीव की कथा है। उन्होंने कहा कि कर्मों ने किसी को नहीं छोड़ा है चाहे वह राजा हो या रंक, अमीर हो या गरीब, साधु संत हो या श्रावक, भगवान हो या भक्त सभी को अपने कर्मों का फल भोगना पड़ा है। संत भगवंत के कर्मो का भी उदय आता है। भगवान आदिनाथ, पार्श्वनाथ, महावीर, भगवान राम, कृष्ण आदि के भी कर्मों का उदय आया उन्होंने समत्व भाव रखा और उन्हें उस कर्म का फल नहीं भोगना पड़ा। श्रावक एवं मानव के कर्म का उदय आता है, तो उसमे वह अपना धैर्य खो देता है, तो आगे के लिए भी वह कर्म

कर्म को भोगोगे तो कर्म बंध जाएगा और हंस-हंसकर कर्म के उदय में रहोगे तो कर्म कट जाएगा और कर्म फल से मुक्त हो जाओगे। आचार्य श्री ने कहां की आठ कर्म है और आठ सिद्ध के के गुण है। आठ कर्मों का ठाठ कम जाए तो आठ सिद्ध के मूल गुण प्राप्त हो जाए तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। यह उक्त बातें आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ने बुधवार को भगवान महावीर धर्म स्थल में उपस्थित श्रद्धालुओं को एक धर्म सभा में कही। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी फूल से पराग लेकर छत्ता बनाती है और शहद निकालने वाले उस मधुमक्खी के छत्ते को तोड़ देते हैं। इस प्रकार यह जीव कर्म करता है, बाधंता है। जब कर्मोदय होता है तब सब कुछ नष्ट हो जाता है। प्रचार प्रचार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ के सानिध्य में आध्यात्मिक शिक्षक शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में समाज के बच्चे पुरुष है महिलाए भाग ले रही है। यह जानकारी समाज के प्रचार-प्रसार सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा दी गई है।

बालीपाड़ा में अलग अलग सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के बालीपाड़ा में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में पांच युवकों की मौत हो गई। सड़क हादसा मंगलवार की रात्रि के करीब 2 बजे हुआ। मिली जानकारी के अनुसार बालीपाड़ा मीडियम स्कूल के शताब्दी सत्र में जुबिन गर्ग के कंसर्ट के बीच बालीपाड़ा में कई जानलेवा सड़क हादसे हुए। जुबिन के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेने के बाद वापस लौट रहे बाइक सवार युवक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गए। मृतकों की पहचान कासिम अली, राजा इस्लाम, बिपुल दास, देबजीत बसुमतारी और सरफुंग बसुमतारी के रूप में हुई है।

डॉ. जगदीन्द्र रॉय चौधुरी के ग्रंथ दूर *क्षितिज की ओर* का हुआ विमोचन

गुवाहाटी। प्रागज्योतिष महाविद्यालय के सभागार में डॉ. जगदीन्द्र रॉयचौधुरी द्वारा रचित दूर क्षतिज की ओर ग्रंथ का विमोचन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समारोह में पद्मश्री अजय दत्त, विशिष्ट साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. दयानन्द पाठक द्वारा ग्रंथ का विमोचन किया गया। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में कई गणमान्य नागरिक एवं शिक्षार्थी उपस्थित रहे। असमीया ग्रंथ दूर दिगन्तर बुकुलोई (दूर क्षितिज की ओर) का प्रकाशन शिशु साहित्य उतरन द्वारा किया गया। उपस्थित महानुभावों नें पुस्तक विमोचन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उपस्थित साहित्यकारों ने इस अवसर पर चिंता व्यक्त की वर्तमान मोबाइल के युग में पाठकों में कमी आई है, किंतु पुस्तकें समाज को दिशा दर्शन प्रदान करती हैं।

पंचायती ठाकुरबाड़ी में श्री श्याम कृपा कीर्तन आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। श्री श्याम सत्संग मंडल (रजि.) गुवाहाटी के तत्वावधान में मंगलवार को श्री श्याम कृप कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु का गुणगान किया। फैंसी बाजार के टीआर फूकन रोड के गल्लापट्टी स्थित पंचायती ठाकुरबाड़ी में इस अवसर पर खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु का भव्य दरबार बैठाया गया जिसमें फूलों द्वारा अलौकिक श्रृंगार किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 5 बजे श्याम बाबा की पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलित कर की गई। तत्पश्चात रामगढ़ शेखावटी के रुकनसर धाम से पधारे कैलाशनाथ महाराज के सान्निध्य में भजन-कीर्तन के कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें रामगढ़ शेखावटी के रुकनसर धाम से ही पधारे गुलाब नाथ महाराज ने अपने भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इस मौके पर श्याम प्रभु को छप्पन भोग का प्रसाद भी चढ़ाया गया, जिसे बाद में भक्तों के बीच वितरित कर दिया गया। कार्यक्रम का समापन श्याम प्रभु की महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ हुआ। आयोजन को सफल बनाने में श्री श्याम सत्संग मंडल के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

सतरंगी रंगों व नौ रसों से सराबोर हुआ वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच

विश्वनाथ/ गुवाहाटी (विभास)। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की मासिक काव्य गोष्ठी ऑनलाइन माध्यम से गूगल मीट पर कल शाम 7 बजे संपन्न हुई। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वनकाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं एडमिन श्रीमती किरण गर्ग *मुग्ध* तथा विशिष्ट अतिथि वनकाम की राष्ट्रीय महासचिव व पूर्वोत्तर इकाई की अध्यक्ष डॉ. गोमा अधिकारी थीं। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन असम वनकाम की महासचिव श्रीमती कल्पना कश्यप ने की। वनकाम असम इकाई की अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को ससम्मान मंच पर आसन ग्रहण करवाया तत्पश्चात असम इकाई वनकाम के उपाध्यक्ष विनय कुमार *बुद्ध* ने मनमोहक स्वर में स्वरचित सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरुआत की पहल की। इसके बाद काव्य

गोष्ठी का कार्यभार कल्पनाजी ने संभालते हुए महिला काव्य मंच शिलांग इकाई की अध्यक्षा दया से गुजारिश की कि वह अपनी कविता वचन कर मंच को अनुग्रहित करें। इकाई दया शर्मा ने हास्य रचना, विनय कुमार *बुद्ध* ने वीर रस की कविता, गीता लिम्बू ने नेपाली कविता का हिंदी अनुवाद प्रस्तुत कर सबके मन को मोह लिया। तत्पश्चात किरण गर्ग ने अपनी मां को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मां पर एक सुंदर रचना पेश कर सबको भावविभोर कर दिया। डॉ. अनीता पांडा ने प्रेम पर तो एसएन सिंह ने प्रेरणादायक कविता प्रस्तुत की। हेमलता तोदी ने शरद ऋतु और हेमलता गोलछा ने आगे निकलने की अंधी दौड़ के लिए लोगों को सतर्क किया। वहीं वनकाम के नव नियुक्त उपाध्यक्ष व हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो ने *मैं* यानि अहम को तिलांजलि देने की बात कहते हुए अपनी बेजोड़ कविता प्रस्तुत की। कवयित्री मनीष पाल ने अकेले पड़े दम्पत्ति के दर्द को, तो रोहित लामगाडे ने दिनकर की रचना और वनकाम असम की अध्यक्ष आभा कुमारी चौधरी ने बच्चों को मोबाईल और सोशल मीडिया से सतर्क करते हुए एक मां की भूमिका पर सुंदर रचना प्रस्तुत की। डॉ. गोमा अधिकारी ने नए साल पर लोगों को अच्छी सीख लेने और कल्पना कश्यप ने *मेरे हमसफर* कविता के द्वारा बेहद भावपूर्ण कविता सुना कर मंच का मन मोह लिया। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि श्रीमती किरण गर्ग ने अपनी बात रखी और सभी रचनाकारों को उनकी बेमिसाल प्रस्तुति के लिए धन्यवाद दिया तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. गोमा अधिकारी ने भी कार्यक्रम की सफलता पर सबको धन्यवाद ज्ञापन किया। इसके बाद विनय कुमार बुद्ध जी ने सबकी कविता का अति संक्षिप्त परंतु सारगर्भित सारांश मंच के सामने रखा और उसके तुरंत बाद कल्पना जी ने काव्यगोष्ठी के समापन की घोषणा की। कुल मिलाकर कार्यक्रम बेहद सफल रहा।

संपादकीया

यूपी-बिहार को गाली

बेशक द्रमुक नेता दयानिधि मारन ने चार साल पहले उप्र और बिहार का अपमान किया था। उन्होंने कहा था कि इन राज्यों के लोग शौचालय और सडक़ साफ करने के लिए तमिलनाडु आते हैं। वे बुनियादी तौर पर निर्माण-मजदूर हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने हिंदी-विरोध में आपत्तिजनक बयान दिया है। उनके मंत्री-पुत्र ने 'सनातन' को खत्म करने का आह्वान किया था। कुछ द्रमुक सांसदों ने सनातन को डेंगू, एड्स और कोढ़ आदि करार दिया था। एक सांसद ने तो लोकसभा में बयान दे दिया था कि भाजपा सिर्फ 'गोमूत्र वाले राज्यों' में ही चुनाव जीतती है। यह दीगर है कि उन्होंने अपने बयान पर माफी मांगी और उसे वापस लिया। भारत की आजादी के 76 साल बाद भी 'उत्तर बनाम दक्षिण' के गालीनुमा बयान सुनने को क्यों मिलते हैं? यदि उप्र, बिहार बनाम तमिलनाडु के बीच विभाजन और नफरत की दरारें हैं, तो भारत विविधताओं वाला देश कहां है? वाराणसी में 'काशी तमिल संगमम' के आयोजन क्यों होते रहे हैं? दक्षिण भारतीय लोग दिल्ली और हिंदी पट्टी के क्षेत्रों में काम क्यों करते हैं? बसे हुए क्यों हैं? क्या भारत एक संप्रभु और संगठित देश नहीं है? दयानिधि मारन केंद्रीय मंत्री रहे हैं और अब लोकसभा सांसद भी हैं। उन्हें उत्तर भारत में यह संवैधानिक और अति विशिष्ट रुतबा क्यों हासिल है? दरअसल उनका पुराना बयान नए सिरे से प्रासंगिक हो गया है, क्योंकि उनकी द्रमुक पार्टी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की घटक है। उप्र और बिहार को शौचालय साफ करने वालों के राज्य चित्रित करने पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजद प्रमुख लालू यादव और उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आदि खामोश क्यों हैं? हकीकत यह है कि यदि उप्र और बिहार के मानव संसाधन देश के दूसरे राज्यों में न जाएं, तो बहुत कुछ निष्क्रिय हो सकता है। कारोबार और फसलों की कटाई के काम ठप्प हो सकते हैं। कई संदर्भों में हुक्का-पानी तक बंद हो सकता है। शौचालय साफ करने और सडक़ निर्माण करने वाले मजदूरों के राज्यों का यथार्थ यह है कि उप्र से 13.5 फीसदी और बिहार से 8.5 फीसदी आईएएस अधिकारी देश को मिलते हैं। ये सर्वाधिक आंकड़े हैं। तमिलनाडु में करीब 1.5 करोड़ उत्तर भारतीय बसे और काम करते हैं। वहां की सरकार में भी उच्च और मझोले स्तर के अधिकारियों की संख्या भी ज्यादातर उत्तर भारतीयों की है। तमिलनाडु में अकेले बिहार से ही 25 से अधिक आईएएस और आईपीएस अधिकारी सेवारत हैं। तमिलनाडु के नेताओं को अपने सामाजिक-आर्थिक विकास और समझदारी का परिचय देते हुए उप्र और बिहार की अर्थव्यवस्था को भी समझना चाहिए। दोनों राज्यों की कुल जीडीपी 33 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, जबकि तमिलनाडु की करीब 28 लाख करोड़ रुपए है। दरअसल देश का संविधान ऐसी गाली, नफरत और भेदभाव की अनुमति नहीं देता। उप्र, बिहार और तमिलनाडु भारत गणराज्य के ही हिस्से हैं। वे एक ही लोकतांत्रिक परिवार के सदस्य हैं। संविधान के मुताबिक, प्रत्येक नागरिक, किसी भी राज्य में, निवास और व्यवसाय कर सकता है। उन पर राज्यों की सीमा और भाषा की कोई पाबंदी नहीं है। तमिलनाडु अहिंदी भाषी राज्य है। वहां हिंदी-विरोध के आंदोलन भी छिड़े हैं। वे हिंदी को राष्ट्रभाषा और राजभाषा की मान्यता नहीं देते, लिहाजा हिंदी पट्टी से भी नफरत करते हैं। उनकी सोच और गालियों से क्या होता है? वे देश का संविधान नहीं हैं। देश के विकास में उप्र और बिहार का भी योगदान है, तो तमिलनाडु भी भारत के हिस्से से बहुत कुछ हासिल करता है। मारन सरीखों के बयान निंदनीय और शर्मनाक हैं। चूंकि द्रमुक सरीखी दक्षिण भारतीय पार्टियों के जनाधार उत्तर भारत में नहीं हैं और भाजपा सरीखी हिंदी पट्टी की पार्टियों का विस्तार दक्षिण में नगण्य ही है। कर्नाटक और तेलंगाना में भाजपा के कुछ गढ़ हैं, लेकिन इसी आधार पर उप्र, बिहार को गाली नहीं दी जा सकती। शायद द्रमुक वालों ने महात्मा गांधी को नहीं पढ़ा। यदि गांधी का अनुसरण किया होता, तो वे शौचालय की बात इस ढंग से नहीं कहते।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने हिंदी-विरोध में आपत्तिजनक बयान दिया है। उनके मंत्री-पुत्र ने 'सनातन' को खत्म करने का आह्वान किया था। कुछ द्रमुक सांसदों ने सनातन को डेंगू, एड्स और कोढ़ आदि करार दिया था। एक सांसद ने तो लोकसभा में बयान दे दिया था कि भाजपा सिर्फ 'गोमूत्र वाले राज्यों' में ही चुनाव जीतती है। यह दीगर है कि उन्होंने अपने बयान पर माफी मांगी और उसे वापस लिया। भारत की आजादी के 76 साल बाद भी 'उत्तर बनाम दक्षिण' के गालीनुमा बयान सुनने को क्यों मिलते हैं? यदि उप्र, बिहार बनाम तमिलनाडु के बीच विभाजन और नफरत की दरारें हैं, तो भारत विविधताओं वाला देश कहां है? वाराणसी में 'काशी तमिल संगमम' के आयोजन क्यों होते रहे हैं? दक्षिण भारतीय लोग दिल्ली और हिंदी पट्टी के क्षेत्रों में काम क्यों करते हैं? बसे हुए क्यों हैं? क्या भारत एक संप्रभु और संगठित देश नहीं है? दयानिधि मारन केंद्रीय मंत्री रहे हैं और अब लोकसभा सांसद भी हैं। उन्हें उत्तर भारत में यह संवैधानिक और अति विशिष्ट रुतबा क्यों हासिल है? दरअसल उनका पुराना बयान नए सिरे से प्रासंगिक हो गया है, क्योंकि उनकी द्रमुक पार्टी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की घटक है।

रिश्तों को लेकर डर और असुरक्षा की भावना भी होती है

युवाओं में बढ़ता ऑब्सेसिव लव डिसआर्डर

डा. वरिंद्र भाटिया

आत्मविश्वास की कमी और असुरक्षा की भावना भी ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर की बड़ी वजहें हैं। ऐसा भी देखने में आया है कि जिन लोगों को बचपन और किशोरावस्था में परिवार या करीबियों का प्यार नहीं मिलता, बाद में वो कभी न कभी ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर से गुजरते हैं। हमारा सामाजिक ढांचा ऐसा है कि यहां पुरुष अपनी भावनाएं ज्यादा आसानी से जाहिर कर लेते हैं, जबकि महिलाओं के लिए ये आसान नहीं होता। शायद यही वजह है कि पुरुषों का ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर अक्सर गंभीर स्तर पर पहुंच जाता है। वो लड़कियों का पीछा करने, उन्हें नुकसान पहुंचाने तक करने लग जाते हैं।

देश में अनेक युवा ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर नाम की मानसिक बीमारी की गिरफ्त में हैं। अधेड़ उम्र के व्यक्ति भी इससे अछूते नहीं रहते हैं। नामवर अमरीकी हेल्थ वेबसाइट 'हेल्थलाइन' के मुताबिक ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर एक तरह की साइकोलॉजिकल कंडीशन है जिसमें लोग किसी एक शख्स पर असामान्य रूप से मुग्ध हो जाते हैं और उन्हें लगता है कि वो उससे प्यार करते हैं। उन्हें ऐसा लगने लगता है कि उस शख्स पर सिर्फ उनका हक है और उसे भी बदले में उनसे प्यार करना चाहिए। अगर दूसरा शख्स उनसे प्यार नहीं करता तो वो इसे स्वीकार नहीं कर पाते। वो दूसरे शख्स और उसकी भावनाओं पर पूरी तरह काबू पाना चाहते हैं। ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर के कुछ खास लक्षण इस प्रकार के हैं, जैसे दूसरों से भी उस खास की बातें करना, उस खास का जिक्र करने का कोई बहाना ढूंढना, किसी खास की वजह से बाकी रिश्तों को भूल जाना, उस विशेष को बार-बार मैसेज या कॉल करना, उसका पीछा करना, सोशल मीडिया पर उसे स्टॉक करना, उसे ब्लैकमेल करना, किसी भी तरह अपना प्रस्ताव मनवाने की कोशिश करना। बता दें कि किसी का पीछा करना, ब्लैकमेल करना, लगातार मैसेज और कॉल के जरिये तंग करना आदि को 'स्टॉकिंग' कहते हैं। ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर कई प्रकार के हो सकते हैं, जैसे कि 'अटैचमेंट डिसऑर्डर'। इसकी वजह से लोगों में अपनी भावनाओं और किसी से जुड़ाव को काबू करने में परेशानी होती है। कई बार वो दूसरों से जरूरत से ज्यादा दूर हो जाते हैं और कई बार दूसरों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर। ऐसा बचपन या किशोरवास्था के बुरे पारिवारिक रिश्तों या कड़वे अनुभवों की वजह से भी हो सकता है। दूसरे स्थान पर बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसऑर्डर होता है। इसे 'इमोशनली अनस्टेबल पर्सनैलिटी डिसऑर्डर' भी कहा जाता है। इसकी वजह से लोग अपनी भावनाओं को समझने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। उनमें रिश्तों को लेकर डर और असुरक्षा की भावना भी होती है। बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसऑर्डर से जूझ रहे शख्स को ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर होने की आशंका बढ़ जाती है। तीसरी प्रकार का डिसऑर्डर इरोटोमेनिया कहलाता है। इरोटोमेनिया से ग्रसित शख्स को ऐसा भ्रम (डिल्यूजन) होता है कि दूसरा शख्स उससे प्यार करता है, जबकि असल में ऐसा नहीं होता। इरोटोमेनिया की वजह से भी ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर होने का खतरा बढ़ जाता है। ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर (ओल्ड) एक साइकोलॉजिकल कंडीशन है, जिसमें मरीज किसी एक व्यक्ति पर असामान्य रूप से मुग्ध हो जाता है और उसे लगता है कि वो उससे प्यार करता है और उस पर सिर्फ उसी का हक है। बदले में वो जुनूनी प्यार की कल्पना करता है। क्या आप हमेशा अपने पार्टनर के बारे में सोचते रहते हैं। क्या आप सोचते हैं कि वो इस वक्त क्या कर रहा होगा, बाथरूम जाने का वक्त, खाना खाने का वक्त, नहाने का वक्त, उसकी हर चीज के बारे में सोचते हैं। जब आपका दिमाग हर समय खुद को भूलकर सिर्फ अपने बारे में सोचने लगे तो समझ जाएं कि ये अलर्ट होने का संकेत है, क्योंकि ये ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर का पहला लक्षण है। पार्टनर पर थोड़ा सा अधिकार होना स्वाभाविक है, लेकिन जब आप उसे निर्देश देने लगें कि आपको उसकी क्या चीज पसंद नहीं है या जब वो आपकी अनुपस्थिति में अपने सबसे अच्छे दोस्तों से मिले, तो आपको पसंद न आए। आपका पार्टनर ऑफिस के सहयोगियों या बॉस के साथ लंच-डिनर पर जाए और आपको पसंद न आए। आपके सामने वो अपने पुराने पार्टनर की बातें करें या दूसरों को उसके करीब देखकर आपको जलन होने लगे तो समझ जाएं आप उनको लेकर बहुत पजेसिव हो गए हैं। आपकी टोका-टाकी और इस तरह का व्यवहार आपके रिश्ते के लिए खतरा बन सकता है। क्या आप अपने पार्टनर को लगातार मैसेज, कॉल्स या मेल करते हैं। आप निरंतर उनके संपर्क में रहने की कोशिश करते हैं। आप जानने की कोशिश करते हैं कि वे किसके साथ हैं या क्या कर रहे हैं, तो समझ जाएं कि आपको ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर हो गया है। यदि आप किसी के प्यार में हैं और अपने उस पार्टनर के प्रति इतने आसक्त हैं कि आपको अपने आसपास के लोगों से कोई फर्क नहीं पड़ता। आप अपने दोस्तों, परिवार और समाज से भी खुद को काट लेते हैं तो ये ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर का लक्षण है। पार्टनर कहां जा रहा है, किससे मिल रहा है, इतनी देर से फोन पर क्यों और किससे बात कर रहे हो, उससे इतनी बार क्यों मिलते हो (भले ही समान लिंग और सिर्फ दोस्त हों), जब ये प्रश्न पूछे जाने लगें तो समझ लें कि ये खतरे की घंटी है। मनोवैज्ञानिक मत है कि आम तौर पर ऊपर बताई गई भावनाएं लोगों में उस वक्त भी देखने को मिलती हैं जब वो इश्क या फिर उलफत में होते हैं, लेकिन जब ये भावनाएं सामान्य रूप से बढ़ जाएं तो मुमकिन है कि शख्स ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर से गुजर रहा हो। ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर का सम्बन्ध दूसरी मानसिक तकलीफों से भी हो सकता है। साइकियाट्रिक के अनुसार ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर की कोई एक ही वजह हो, ऐसा जरूरी नहीं है। कई बार इसका संबंध कई तरह की अन्य मानसिक तकलीफों से भी होता है। आत्मविश्वास की कमी और असुरक्षा की भावना भी ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर की बड़ी वजहों में शामिल हैं। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति न सिर्फ स्वयं को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि दूसरे इनसान को भी मुश्किल में डाल रहा होता है। आत्मविश्वास की कमी और असुरक्षा की भावना भी ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर की बड़ी वजहें हैं। ऐसा भी देखने में आया है कि जिन लोगों को बचपन और किशोरावस्था में परिवार या करीबियों का प्यार नहीं मिलता, बाद में वो कभी न कभी ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर से गुजरते हैं। हमारा सामाजिक ढांचा ऐसा है कि यहां पुरुष अपनी भावनाएं ज्यादा आसानी से जाहिर कर लेते हैं, जबकि महिलाओं के लिए ये आसान नहीं होता। शायद यही वजह है कि पुरुषों का ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर अक्सर गंभीर स्तर पर पहुंच जाता है। वो लड़कियों का पीछा करने, उन्हें नुकसान पहुंचाने तक करने लग जाते हैं। दूसरी तरफ लड़कियां सोशल मीडिया का सहारा लेती हैं। यूं तो ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर को काबू नहीं किया जा सकता है, लेकिन इस नामुराद जुनून को मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग के जरिए काफी हद तक कम किया जा सकता है। अगर कोई दिक्कत महसूस हो, तो तुरंत डाक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

दृष्टि कोण

पक्षकारिता और अतिवाद से बचने के लिए कुछ पैमाने तय होने चाहिए

तकनीकी क्रांति के सहारे बढ़े सोशल मीडिया ने पारंपरिक मीडिया गढ़ों को चुनौती दी है और पत्रकारिता को सहज-सुलभ बनाया है। सत्ता, कॉरपोरेट और दूसरे प्रतिष्ठानों के जरिये सामने नहीं आ पाने वाली खबरों के लिए सोशल मीडिया उम्मीद के रूप में उभरा। उसने अपनी ताकत दिखाई भी। जब सोशल मीडिया नहीं था, तो छोटी पत्र-पत्रिकाएं वैकल्पिक मीडिया की भूमिका निभाती थीं और कॉरपोरेट, राजनीति व सत्ता की अंधी सुरंगों में खो जाने वाले सत्यों और विचारों को उद्घाटित करती थीं। लेकिन सीमित संसाधन की वजह से उसकी पहुंच बेहद कम रही। मगर सोशल मीडिया ने उस वैकल्पिक मीडिया को असीमित पहुंच और प्रसार दिया। तकनीक और डाटा के जरिये आई इस ताकत को वरदान के रूप में देखा गया। लेकिन क्या सोशल मीडिया निष्पक्ष पत्रकारिता कर रही है? हाल में पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की जिस तरह कभी खबरिया चैनलों के दिग्गज रहे पत्रकारों ने सोशल मीडिया के मंचों पर रिपोर्टिंग की, एक खास पार्टी को ही वे जिस तरह जीतता हुआ दिखाते रहे,

उसने सोशल मीडिया पत्रकारिता की साख पर सवाल तो खड़ा किया ही, यह भी साफ कर दिया है कि सोशल मीडिया पत्रकारिता, रिपोर्टिंग की आड़ में एक दल विशेष का प्रचार भर रहा। हिंदी के मशहूर कथाकार राजेंद्र यादव ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि साहित्य की लड़ाई हवाई हमले जैसी होती है, जिसके जरिये माहौल बनता है। कभी चुनाव विश्लेषक रहे और अब राजनेता बन गए योगेंद्र यादव भी कहते रहे हैं कि अपने आंदोलन के जरिये वह विपक्ष के लिए पिच तैयार करते हैं। लेकिन विपक्ष यानी एक खास दल उसका सियासी फायदा नहीं उठा पा रहा है। पिछले कुछ चुनावों से जिस तरह यूट्यूब, फेसबुक और दूसरे सोशल मीडिया मंचों पर रिपोर्टिंग हो रही है, वह माहौल बनाने की कोशिश ही लगती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या सोशल मीडिया के जरिये जिस खबरनवीसी के लोकतंत्रीकरण की उम्मीद की गई थी, वह पूरी हो पाई? निश्चित तौर पर इस सवाल का जवाब न में है। अगर एक चुनाव में ऐसा होता और सोशल मीडिया रिपोर्टिंग फेल होती, तो उसे पेशागत कमी मान लिया जाता। लेकिन ऐसा हर बार हो रहा है। कर्नाटक और हिमाचल विधानसभा चुनाव हों या गुजरात विधानसभा चुनाव, हर बार आज के सोशल मीडिया के धुरंधरों की रिपोर्टिंग पर गहराई से निगाह डालेंगे, तो पता चलेगा कि वे एक दल विशेष के लिए पिच तैयार कर रहे थे। यहां यह भी याद किया जाना चाहिए कि आज सोशल मीडिया पर जिन्होंने अपनी पत्रकारिता का बाजार तैयार किया है, उनमें से ज्यादातर कुछ साल पहले तक खबरिया चैनलों के हीरो थे। तब भी उनका रवैया कुछ वैसा ही था। हालांकि अपने संस्थानों की नीतियों के चलते वे खुलकर किसी दल विशेष का समर्थन या विरोध नहीं कर पाते थे। सोशल मीडिया की खबरनवीसी ने पारंपरिक पत्रकारिता की 'वाचमैन' वाली भूमिका को ही खत्म कर दिया है। पारंपरिक पत्रकारिता कानून के दायरे में ही अपनी भूमिका निभाती है। जबकि सोशल मीडिया की पत्रकारिता में कोई कानूनी बंधन या जवाबदेही नहीं है। सोशल मीडिया की पत्रकारिता को इसीलिए अब पक्षकारिता कहा जाने लगा है। सवाल उठता है कि पत्रकारिता की आड़ में क्या किसी दल का प्रचार करना पत्रकारीय पैमाने पर जायज माना जाना चाहिए? पत्रकारिता की न्यूनतम गारंटी निष्पक्षता है। बेशक पारंपरिक मीडिया संस्थान भी पूरी तरह निष्पक्ष नहीं होते, लेकिन वे एकतरफा किसी खास दल के पक्ष में रिपोर्टिंग नहीं करते। लेकिन सोशल मीडिया की पत्रकारिता में ऐसी ही प्रवृत्ति दिखी। इसलिए वक्त आ गया है कि सोशल मीडिया की पत्रकारिता को भी विनियमित किया जाए। सोशल मीडिया मंचों को भी कानूनी तौर पर ऐसे अलगोरिदम विकसित करने के लिए तंत्र बनाना होगा, जो निष्पक्षता को बढ़ावा दे, अतिवाद को नहीं।

कुछ अलग

एक अनौपचारिक घोषणा

हे मेरे फेसबुकिया बांधवो! आपको यह सूचित करते हुए मुझे दुःख और प्रसन्नता की मिक्स फीलिंग हो रही है। क्योंकि मैं अपने बेहोशोहवास में अनौपचारिक घोषणा करता हूं कि मैं आज रात बारह बजे से फेसबुक आश्रम से क्विट कर रहा हूं। हे मेरे जिगरिओ! भले ही मैंने अपने जीवन के ब्रह्चर्य आश्रम में रहते हुए ब्रह्चर्य का पालन न किया हो, यह सांस्कृतिक नहीं, मेरा व्यक्तिगत मामला है। मित्रो! भले ही मैंने गृहस्थ आश्रम में रहते हुए गृहस्थ आश्रम का पालन न किया हो। यह भी मेरा सांस्कृतिक नहीं, व्यक्तिगत मामला है। भले ही मैं गृहस्थ आश्रम में रहते हुए बीवी-बच्चों के होते हुए भी मैं इधर उधर मुंह मारता रहा होऊं, यह मेरा संस्कारिक मामला नहीं, व्यक्गित मामला है। वैसे भी बहुधा घोर से घोर गृहस्थ आश्रमी गृहस्थ आश्रम के दिनों में अपने घर में कम ही देखे जाते हैं। जबसे आश्रम के आसपास होटले खुल गए हैं, तबसे आश्रम के दिनों में आश्रम में रहता ही कौन है? हर किस्म का आश्रमी अपनी पॉकेट के हिसाब से आश्रम के बदले होटल मोटल ही ढूंढता फिरता है। गृहस्थ आश्रम में रहते घर में वह सुकून कहां मिलता है जो सस्ते से सस्ते होटल में सहज ही मिल जाता है। गृहस्थ आश्रम में रहते हुए तो बंदे को आलू प्याज ही मार जाता है। कभी आलू महंगे तो कभी प्याज! कभी टमाटर महंगे तो कभी दालें। और ऊपर से बच्चों के स्कूलों की फीस नाकों चने चबवा देती है। और ऊपर से जो गलती से पड़ोसी ऊपर की कमाई वाला मिल गया, फिर तो कदम कदम पर बीवी से फजीहत होना तय है। हर पल अपनी ईमानदारी का जनाजा अपने ही कंधों पर उठना तय है। इसलिए गृहस्थ आश्रम में रहने वाला ईएमआई पर बनाए घर के बावजूद होटल में ठहरने को प्राथमिकता देता है। मित्रो! आज के युग में गंगा नहीं, फेसबुक मोक्षदायिनी है, सरस्वती ज्ञानदायिनी नहीं, फेसबुक ज्ञानदायिनी है, हर आश्रम के जीव की रक्तवाहिनी है। आश्रमी उम्र के कायदे से अब मैं वानप्रस्थ में प्रवेश करने की उम्र का हो रहा हूं। पर ये कामपरस्त आश्रम है कि मेरा पीछा ही नहीं छोड़ता। जिस दौर में बुढ़ापे में भी काम को बनाए रखने वाली एक से एक कामवर्धक गोलियां फेसबुक पर ऑनलाइन घर लेटे लेटे असहज बूढों को चौबीसों घंटे सहज उपलब्ध हों, ऐसे में भला वे कामहीन क्यों हों? अब तो काम बनाए रखने की गोलियां बेचते एक से एक संसार का लात मार चुके बाबा फेसबुक पर सहज मिल जाएंगे। बस, ऑर्डर पर एक क्लिक भर करने की देर और अगले ही दिन गोलियों की कैश ऑन डिलीवरी लेकर पिचके हुए चेहरे वाला युवा आपके द्वार हाजिर। काश! इसी तरह एक क्लिक करते ही ईमानदारी की गोलियों की भी ईमानदारी से कैश ऑन डिलीवरी होती। काश! इसी तरह एक क्लिक करते ही विश्वास की गोलियों की भी विश्वास सहित कैश ऑन डिलीवरी होती। पर इधर मेरे साथ बहुधा होता यों है कि ऑनलाइन मंगवाता अंडर वियर हूं तो डिलीवर हो जाती हैं कूड़े से उठाई फटी पैंटें। अब बोलो! बंदे का क्या पकडऩा! नकली दवाओं के सहारे जीते पता नहीं मैं संन्यास आश्रम तक पहुंच पाऊं या न, इसलिए मैं अब फेसबुक से संन्यास लेने जा रहा हूं। हे मेरे फेसबुकिया मित्रो! मेरे फेसबुक आश्रम में रहते आपने मेरी उलटी सीधी पोस्टीय हरकतों को जिस कद्र सिर माथे लिया, उसके लिए मैं दिल की गहराइयों से आप सबका शुक्रगुजार हूं और फेसबुक से संन्यास लेने के बाद भी शुक्रगुजार रहूंगा। सच कहूं तो इस आश्रम में रहते मैंने सारे आश्रम जी लिए। फेसबुक आश्रम ने मुझे सिखाया कि एक ही छत के नीचे रहते कैसे अपनों से विरक्त हो मजे से जिया जा सकता है।

देश दुनीया से

ग्रामीण समृद्धि के लिए नया पर्यटन दृष्टिकोण

भारत के लिए यही समय है, सही समय है, युवा शक्ति परिवर्तन की वाहक भी है और परिवर्तन की लाभार्थी भी है। देश की राष्ट्रीय योजनाओं, प्राथमिकताओं और लक्ष्यों के निर्माण में देश के युवाओं को सक्रिय रूप से सम्मिलित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप 'विकसित भारत/2047' देश के युवाओं को एक मंच प्रदान करेगी। यह दृष्टिकोण आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित करता है। इस कार्यक्रम के शुभारंभ ने एक नई दृष्टि और दिशा दी है।

विकसित भारत/2047 का उद्देश्य आजादी के 100वें वर्ष यानी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। यह भारत के इतिहास का वह दौर है जब देश लंबी छलांग लगाने जा रहा है। भारत के लिए यही समय है, सही समय है, युवा शक्ति परिवर्तन की वाहक भी है और परिवर्तन की लाभार्थी भी है। देश की राष्ट्रीय योजनाओं, प्राथमिकताओं और लक्ष्यों के निर्माण में देश के युवाओं को सक्रिय रूप से सम्मिलित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप 'विकसित भारत /2047' देश के युवाओं को एक मंच प्रदान करेगी। यह दृष्टिकोण आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित करता है। इस कार्यक्रम के शुभारंभ ने एक नई दृष्टि और दिशा दी है। विकसित भारत/2047 एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता है जहां पर्यटन और आतिथ्य एक समृद्ध, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ भारत के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करते हैं। कृषि पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन संस्कृति और प्रकृति के साथ एक समृद्ध अनुभव है, बड़े शहर की हलचल से दूर गांव में जीवन की धीमी गति, एक ऐसा अनुभव है जो आगंतुक को फिर से जीवंत कर देगा। गांवों और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में अपने मूल रूपों में अद्वितीय कला और शिल्प के चिकित्सक भी हैं जो शहरों में आना मुश्किल है। ग्रामीण पर्यटन ग्रामीण क्षेत्रों की यात्रा करने वाले आगंतुक और ग्रामीण जीवन शैली में सक्रिय रूप से भाग लेने पर केंद्रित है। पर्यटक को क्षेत्र की परंपराओं और संस्कृति को आत्मसात करने का मौका भी मिलता है। कृषि पर्यटन टिकाऊ पर्यटन का एक सफल और बढ़ता उदाहरण है। कृषि पर्यटन किसानों को उनकी कम कृषि आय को पूरक करने में मदद करने के लिए ऑन-फार्म पर्यटन गतिविधियों के माध्यम से विविधता लाने और अतिरिक्त आय उत्पन्न करने की संभावना प्रदान करता है। कृषि पर्यटन की अधिक सामान्य समझ में कहा गया है कि कृषि पर्यटन गतिविधियां कृषि संसाधनों, परंपराओं और संस्कृति का समर्थन और प्रचार करती हैं। सतत विकास में कृषि पर्यटन खेत के प्रबंधन, अर्थव्यवस्था और रहने के माहौल, कृषि उत्पादों, कृषि जीवन और खेत भवनों में रात भर रहने का अनुभव करने से अधिक है। यह एक अद्वितीय सांस्कृतिक और इंटरैक्टिव अनुभव का प्रतिनिधित्व करता है, जो ग्रामीण क्षेत्रों को महत्वपूर्ण रखने और कृषि प्रथाओं और छोटे संरचित सांस्कृतिक परिदृश्य को बनाए रखने के लिए एक संपत्ति है। साहसिक पर्यटन और सतत पर्यटन के लिए व्यापक रणनीतियों के साथ संरेखित करते हुए, एक उत्साहजनक और टिकाऊ यात्रा अनुभव के रूप में साहसिक पर्यटन को ट्रेकिंग, वॉटर स्पोर्ट्स और साहसिक पर्यटन खेल सहित साहसिक पर्यटन गतिविधियों की एक विविध श्रृंखला को प्रदर्शित करने वाला एक गतिशील विपणन अभियान सुरक्षा मानकों और पर्यावरणीय विचारों को सुनिश्चित करने के लिए साहसिक विशेषज्ञों और स्थानीय साहसिक ऑपरेटरों के साथ विकसित कर। साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय रणनीति के सफल कार्यान्वयन के लिए साहसिक ऑपरेटरों, सरकारी निकायों और पर्यटन हितधारकों को शामिल करते हुए एक सहयोगी प्रयास की आवश्यकता है। साहसिक पर्यटन प्राकृतिक वातावरण के संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए पर्यटकों के लिए उत्साहजनक अनुभवों में योगदान कर सकता है। इसी तरह सरकार का लक्ष्य है सांस्कृतिक पर्यटन और सतत पर्यटन के लिए व्यापक रणनीतियों के साथ संरेखित करते हुए सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय रणनीति को लागू करना। एक समृद्ध और टिकाऊ यात्रा अनुभव के रूप में सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। विविध सांस्कृतिक अनुभवों, विरासत स्थलों और पारंपरिक कार्यक्रमों को प्रदर्शित करने वाला एक व्यापक विपणन अभियान विकसित होगा। वेलनेस पर्यटन और टिकाऊ पर्यटन के लिए व्यापक रणनीतियों के साथ संरेखित करते हुए कल्याण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय रणनीति को लागू करना भी लक्ष्य है। वेलनेस रिट्रीट, स्पा अनुभव और सावधानीपूर्वक यात्रा पर जोर देते हुए एक व्यापक विपणन अभियान विकसित किया जाएगा। कल्याण सिद्धांतों के एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए कल्याण विशेषज्ञों, समग्र चिकित्सकों और स्थानीय समुदायों के साथ सहयोग किया जाएगा। वेलनेस पैकेज डिजाइन करने के लिए वेलनेस विशेषज्ञों के साथ सहयोग कर योग रिट्रीट, ध्यान सत्र और प्रकृति विसर्जन अनुभव शामिल हैं। पर्यटन और आतिथ्य उद्योग तेजी से 'अनुभवात्मक' होते जा रहे हैं।

आप का नजरीया

सुकून के लम्हे जाम में फंसे

साल का अंतिम पहर और नए वर्ष के आगमन का सफर, इस समय हिमाचल में पर्यटन को भी माप रहा है। वर्षांत पर्यटन की चहलकदमी में पूरा प्रदेश और सैलानियों के उत्साह में निरंतर बढ़ोतरी का आलम यह कि अटल टनल एक ही दिन में एक लाख के करीब पर्यटकों की चरागाह बन जाती है। शिमला की पहाडिय़ां हों या कांगड़ा घाटी की गुनगुनी धूप, पर्यटकों से आच्छादित राहें बता रही हैं कि साल का यह नजारा होटल व्यवसायियों को सहारा दे रहा है। क्रिसमस को त्योहार तथा पर्यटन को उपहार बना देने की क्षमता में निजी क्षेत्र के होटल-रेस्तरां ने भी इस बार कुछ हट के प्रयास किए, तो बाजार में बेकरी से लेकर बेकार हो चुके उत्पादों को फिर से जिंदा होने का अवसर मिला। साल का अंतिम सप्ताह डेस्टिनेशन बन गया, तो सडक़ों पर आया वाहनों का रेला जाम में बदल गया। गाडिय़ों का रेंगना शिमला की फोरलेन परियोजना को भी गच्चा दे गया, तो कुल्लू-मनाली का सफर इत्मीनान से अपनी व्यथा कहता रह गया। बेशक पर्यटन के सन्नाटे टूटे, लेकिन हमने सैलानियों को जगह-जगह फंसाया जरूर। यह दीगर है कि निजी वाहनों के अलावा वोल्वो व डीलक्स बसों के किरदार ने आफत मचा दी। सामान्य दरों से दो या तीन गुना अधिक वसूल रही बसें यात्रियों की कोफ्त बढ़ा रहीं, लेकिन एचआरटीसी इस लूट में खुद के सबूत पूरी तरह नहीं ढूंढ पाई। 'काफिलों के कदम जमीन पर बदल गए, तुमने तो आकाश में उडऩा था यहां।' जाहिर है पर्यटन की ऐसी महफिलें हमारे इंतजाम की समीक्षा भी करती हैं। यह प्रदेश अब पर्यटन का मक्का नहीं, पर्यटन की अटल टनल क्यों हो रहा है, इस पर विचार करना होगा। नववर्ष के आगमन को रेखांकित करते हुए मंदिर पर्यटन को आवाज दें, तो चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, दियोटसिद्ध, कांगड़ा, चामुंडा, नयनादेवी और बाला सुंदरी जैसे धार्मिक स्थल इस आगमन की बरसात को आर्थिक क्षमता में बदल पाएंगे। यह इसलिए भी कि वर्ष के अंत में एक पूरे सप्ताह को हम यादगार बना सकते हैं। अगर क्रिसमस से हिमाचल के गिरजाघर पर्यटन की मंजिल बन जाते हैं, तो नए साल के उगते सूरज को पूजने के लिए मंदिर परिसर तैयार किए जा सकते हैं। लोक कला तथा संगीत व नाट्य उत्सव स्थानीय कलाकार को पहचान व पारिश्रमिक दिला सकते हैं। प्रदेश के धरोहर शहर यानी चंबा, सुजानपुर, पुराना कांगड़ा, मसरूर, नाहन, रामपुर बुशहर व गरली-परागपुर, पर्यटन की प्रक्रियाओं से गुजर कर सांस्कृतिक त्योहार बनकर उभर सकते हैं। प्रदेश के बड़े मैदानों पर इस दौरान व्यापारिक मेले, फूड बाजार व हिमाचल के क्राफ्ट की प्रदर्शनियां लगा सकते हैं। वर्षांत पर्यटन को क्रिसमस-नववर्ष आगमन से आगे लोहड़ी-मकर संक्रांति और घृत मंडप उत्सव तक ले जा सकते हैं, तो हिमाचल में ग्रीष्मकालीन पर्यटन की तरह शीतकालीन पर्यटन भी क्षमतावान बनने की तमाम खूबियां लिए हुए है। कोशिश यह होनी चाहिए कि हर साल हिमाचल केवल पारंपरिक पर्यटक स्थलों पर न दिखाई दे, बल्कि प्रवेश के साथ ही नई दिशाएं निर्धारित हो जाएं। वर्षांत पर्यटन की उपलब्धि में केवल अटल टनल नगीना न बने, इसके लिए तमाम फोरलेन परियोजनाओं के तहत नए गंतव्य स्थल विकसित करने होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया संवाद

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को देशभर के अलग-अलग राज्यों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा संवाद किया। मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा से जुड़े विभिन्न संस्मरणों का हवाला देते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान हमें वोकल फॉर लोकल का संदेश गांव-गांव और गली-गली तक पहुंचाना है। भारत के युवाओं, किसानों का श्रम और भारत की मिट्टी की महक जिसमें हो, ऐसे सामान को खरीदें और उसका प्रचार-प्रसार करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा संवाद कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए कहा कि मोदी की गारंटी वाली गाड़ी जहां भी जा रही है, वहां लोगों का विश्वास बढ़ा रही है। यात्रा शुरू होने के बाद उज्ज्वला गैस कनेक्शन के लिए 4.5 लाख नए लाभार्थियों ने आवेदन किया है। यात्रा के दौरान मौके पर ही एक करोड़ आयुष्मान कार्ड दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि बीते दिनों जब-जब मुझे इस यात्रा से जुड़ने का अवसर मिला है, तो मैंने एक बात नोट की है। जिस प्रकार देश के गरीब, किसान, युवा और महिलाएं आत्मविश्वास से अपनी बातें सामने रखते हैं, उन्हें सुनकर मैं खुद विश्वास से भर जाता हूं। विकसित भारत संकल्प यात्रा को शुरू हुए अभी 50 दिन भी नहीं हुए। लेकिन ये यात्रा अब तक लाखों गांवों में पहुंच चुकी है, जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के संकल्प से जुड़ने और देशवासियों को जोड़ने का ये अभियान लगातार विस्तार ले रहा है, आज दूर-दूर के गांवों तक पहुंच रहा है। युवा हो, महिला हो या गांव के वरिष्ठ नागरिक हों, ये सब आज मोदी की गारंटी की गाड़ी का इंतजार करते हैं और इस गाड़ी के कार्यक्रम का इंतजाम भी करते हैं। भारत का दर्शन हो या दृष्टि हो हमने हमेशा जोड़ने, अपनाने और अंगीकार करने वाली परंपराओं को पोषित किया है। इसी दिशा में विकसित भारत संकल्प यात्रा भारत सरकार का अब तक का सबसे बड़ा आउटरीच प्रोग्राम है। केवल 1 महिने में यात्रा 1 लाख ग्राम पंचायतों में 4 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंची। संकल्प यात्रा के दौरान राजस्थान के निवासियों में नयी ऊर्जा का संचार कर रही है, इसलिए इस महा-अभियान को सफल बनाने के लिए उन्होंने सभी देशवासियों का आभार भी व्यक्त किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय में विकसित भारत संकल्प यात्रा संवाद कार्यक्रम को वीसी के माध्यम से भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक नारायण पंचारिया, सह-संयोजक ओंकार सिंह लखावत, प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, पूर्व विधायक बीरू सिंह राठौड़ और महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष रक्षा भंडारी सहित सैकड़ों की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने सुना।

2024 में फिर से भाजपा सरकार बनाने के लिए संकल्पित हैं पन्ना प्रमुख : बिप्लब देब

गुरुग्राम (हिंस)। बुधवार को सोहना में आयोजित भाजपा के पन्ना प्रमुख सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने कहा कि हाल ही में संसद में भारत सरकार द्वारा बनाएं गए तीनों नए कानून सम्पूर्ण भारतीय है। गुलामी की जंजीरें तोड़ने वाले हैं। बिप्लब कुमार देब ने कहा कि मोदी सरकार ने ब्रिटिश राज और ब्रिटिश काल के गुलामी के सारे चिह्न समाप्त करके संपूर्ण भारतीय कानून बनाए हैं। आतंकवादी गतिविधियों, मॉब लिंचिंग, भारत की संप्रभुता को खतरा पैदा करने वालों को अपराध करने से पहले 100 बार सोचना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पहले सरकारों और पार्टियों की आलोचना करने वालों को भी राजद्रोह के आरोप में जेल में डाल दिया जाता था, लेकिन अब नए कानून के मुताबिक केवल देश के विरूद्ध और देश की संप्रभुता के खिलाफ बोलने वालों को कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। श्री देब ने कांग्रेस को भी परिवारवाद पर घेरा और कहा कि कांग्रेस में कोई भी साधारण कार्यकर्ता उच्च पद तक नहीं पहुंच सकता।

जबकि भाजपा ही एक ऐसा संगठन है जिसमें एक साधारण कार्यकर्ता भी अपने काम के बल पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे पदों पर पहुंच सकता है। पन्ना प्रमुखों में जोश भरते हुए प्रदेश प्रभारी ने 2024 चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आह्वान करते हुए कहा कि पन्ना प्रमुख सरकार की नीतियों को जमीन पर उतारते हुए संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश में पुन: भाजपा सरकार बनाने के लिए एक एक पन्ना प्रमुख संकल्पित है।

सीमा की सुरक्षा तथा वार्षिक निरीक्षण के लिए बीएसएफ आईजी जैसलमेर पहुंचे

जैसलमेर (हिंस)। राजस्थान सीमांत मुख्यालय, सीमा सुरक्षा बल जोधपुर के आईजी पुनीत रस्तोगी जैसलमेर सेक्टर (साउथ) में वार्षिक निरीक्षण के लिए जैसलमेर पहुंचे। इस दौरान डीआईजी बीएसएफ सेक्टर साउथ विक्रम कुंवर ने उन्हें सेक्टर के सक्रिय एवं प्रशासनिक कार्रवाइयों की विस्तृत जानकारी दी एवं यहां की चुनौतियों से अवगत कराया गया। उन्होंने मंगलवार को सेक्टर साउथ के डाबला कैंपस का राउंड लेकर मौजूद सीमा प्रहरियों से बातचीत कर उनकी हौसला अफजाई कर वर्तमान पारिस्थितियों को देखते हुए मुस्तैदी से ड्यूटी निर्वहन करने के बारे में प्रेरित किया। इसके उपरांत वे डीआईजी (साउथ) कुंवरपाल सिंह सहित अन्य अधिकारियों के साथ जैसलमेर के सम एवं मुरार से लगती भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए बॉर्डर पर पहुंचे और अग्रिम पंक्ति में तैनात सीमा प्रहरियों के साथ बातचीत कर कठोर परिस्थितियों में अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करने में उनके पेशेवर कौशल की सराहना की। साथ ही कहा कि ये सभी बहादुर जवानों का अथक प्रयास है जिससे बीएसएफ राष्ट्र विरोधी तत्वों के सभी बुरे मंसूबों को विफल करने में सफल रहा है।

सरकारी अस्पतालों में रही हड़ताल, ओपीडी रही बंद

कैथल (हिंस)। बुधवार को कैथल के सरकारी अस्पताल में हड़ताल रही और ओपीडी पूरी तरह से बंद रही। हड़ताल के कारण बाहर से आए मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा और वह दवाई लेने के लिए चक्कर काटते रहे। हरियाणा सिविल मेडिकल एसोसिएशन (एचसीएमएस) के तले की गई हड़ताल सरकारी चिकित्सकों ने अपनी मांगों के समर्थन में की थी। इस दौरान न तो ऑपरेशन हो पाए और न ही सामान्य दिनों की तरह मरीजों को सरकारी अस्पताल में इलाज मिल पाया। जिले में करीब 79 सभी सरकारी अस्पतालों में चिकित्सक कार्यरत हैं। हड़ताल के दौरान मरीजों ने प्रयोगशाला में अपने सैंपल तो दिए, लेकिन चिकित्सकों की हड़ताल के चलते वे अपना इलाज नहीं करवा पाए। ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को चिकित्सकों की सुविधा नहीं मिल पाई। अब चिकित्सकों ने मांगें पूरी न होने की स्थिति में 29 दिसंबर को आपातकालीन सेवाएं भी बंद करने की चेतावनी दी है। मरीजों का कहना है कि उन्हें पहले तो कोई जानकारी नहीं दी। अब अस्पताल आकर पता चला कि चिकित्सकों ने हड़ताल कर रखी है। हरियाणा सिविल मेडिकल एसोसिएशन के प्रधान सचिन मांडले ने बताया कि एसोसिएशन की राज्य कार्यकारिणी के आह्वान पर बुधवार को सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों ने एक दिन की हड़ताल की। अब यदि सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानी तो 29 दिसंबर को आपातकालीन सेवाएं भी पूरी तरह से बंद कर दी जाएंगी। इस मौके पर उनके साथ डॉ. राजीव मित्तल, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. अनिल अग्रवाल, डॉ. कविता गोयल, डॉ. आशीष, डॉ. विनय गुप्ता मौजूद थे।

विकास कार्यों में देरी करने वाले अधिकारियों का वेतन कटेगा : डॉ. मनोज

सोनीपत (हिंस)। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने डिस्ट्रिक्ट डेवल्पमेंट एंड मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में डी-प्लान के तहत किये जाने वाले विकास कार्यों की समीक्षा करने के बाद कहा कि लंबित विकास कार्यों को समयबद्धता के साथ पूरा करें। उन्होंने चेतावनी दी कि विकास कार्यों में देरी होने पर संबंधित अधिकारियों के वेतन से दस प्रतिशत राशि काटी जाएगी। बजट का सदुपयोग न होने पर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की एसीआर में उल्लेख किया जाएगा। वे बुधवार को डिस्ट्रिक्ट डेवल्पमेंट एंड मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार कर रहे थे।

व्यवस्था परिवर्तन से हुआ हर नागरिक को फायदा : अभय सिंह यादव

नारनौल (हिंस)। नांगल चौधरी विधायक डॉ. अभय सिंह यादव ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार पिछले 9 वर्षों से समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए लगी हुई है। विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा भी इसी जन भलाई का एक हिस्सा है। इसके माध्यम से जिला प्रशासन प्रत्येक लाभार्थी तक उनके घर द्वार पर पहुंचकर सेवाएं देने में लगा हुआ है। वे बुधवार को विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा में संबोधित कर रहे थे।

विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा बुधवार को नारनौल खंड के गांव कांवी व खानपुर, नांगल चौधरी खंड के गांव दोस्तपुर व सैदलीपुर, कनीना खंड के गांव खैराना व कोका तथा महेंद्रगढ़ खंड के नानगवास व नांगल सिरोही गांव में पहुंची। गांव दोस्तपुर व सैदलीपुर में नांगल चौधरी विधायक डॉ. अभय सिंह यादव, कांवी व खानपुर में भाजपा जिला अध्यक्ष दयाराम यादव ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। वहीं खैराना में पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव व कोका में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अजीत कलवाड़ी तथा महेंद्रगढ़ खंड के नानगवास में पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा के भतीजे नवीन शर्मा व नांगल सिरोही में जिला पार्षद देवेंद्र ने मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इन सभी स्थानों पर नागरिकों ने वर्चुअल माध्यम के जरिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना। विधायक डॉ. अभय सिंह यादव ने कहा कि सरकार ने अब ऐसी व्यवस्था बनाई है कि गरीब लोगों को दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। भविष्य में इसके और भी अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर देश को वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में लाकर खड़ा करना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो व्यवस्था परिवर्तन किया है उसे हर नागरिक को फायदा हुआ है। इस मौके पर नांगल चौधरी विधायक डॉ. अभय सिंह यादव ने गांव सैदलीपुर में लोगों द्वारा की राशन की शिकायत पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में गांव के लोगों को गांव में ही राशन उपलब्ध करवाएं।

राजस्थान / पंजाब / हरियाणा / जम्मू

पांच दिवसीय अंग्रेजी आचार्य कार्यशाला संपन्न

भागलपुर (हिंस)। भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति के तत्वावधान में आयोजित सैनिक स्कूल गणपतराय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर नरगाकोठी के प्रांगण में चल रहे अंग्रेजी आचार्य कार्यशाला बुधवार को संपन्न हुआ। समापन समारोह का प्रारंभ भागलपुर विभाग के विभाग प्रमुख विनोद कुमार, प्रांतीय अंग्रेजी प्रमुख उज्जवल किशोर सिन्हा, प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक, केशव विद्यामंदिर के डायरेक्टर मनोज मिश्र, आनंदराम के प्रधानाचार्य अनंत कुमार सिन्हा, केशव विद्या मंदिर के आचार्य डॉ. अजय कुमार एवं शिशु मंदिर प्रभारी प्रधानाचार्य राजेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर विनोद कुमार ने कहा कि शिक्षा ही वह आधारशिला है जिस पर खड़े होकर कोई राष्ट्र विश्व का नेतृत्व करने में सक्षम हो सकता है। जीवन कौशल शिक्षक व्यक्तिगत और सामाजिक विकास को बढ़ावा देता है। साथ ही स्वास्थ्य और सामाजिक समस्याओं की रोकथाम में योगदान देता है। एक अच्छा शिक्षक छात्रों को सही मार्गदर्शन देकर उन्हें एक सफल और सत्यापित जीवन की ओर ले जाता है।

सभी मामलों में सक्षम है मोदी का भारत पीओके घूम लें फारुक : गिरिराज सिंह

बेगूसराय (हिंस)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि कोई व्यक्ति आज भारत को थ्रेट नहीं करे, चाहे वह फारूक अब्दुल्ला हो या पाकिस्तान। भारत खुद सक्षम है, आज कश्मीर की हालत सुधर गए हैं। जिनको नहीं दिखाई देता है, वह नहीं देखे। गिरिराज सिंह ने बुधवार को बेगूसराय में कहा है कि कश्मीर सुधार रहा है, कश्मीर बदल रहा है। कश्मीर में अमन, चैन, शांति हो रहा है, कश्मीर में विकास हो रहा है। जिन्हें पाकिस्तान से प्रेम है वह पाक अधिकृत कश्मीर में जाकर देख लें। पीओके में रहने वाले लोग भारत आना चाहते हैं। फारूक साहब वहां जाकर लोगों को समझा दीजिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत को किसी के मध्यस्थता की जरूरत नहीं है। जब मध्यस्थता की जरूरत ही नहीं है तो बातचीत किस बात की। फारूक अब्दुल्ला साहब आज तक चुनाव नहीं कर सके। लेकिन मोदी सरकार ने वहां चुनाव करवा दिया। जम्मू-कश्मीर में उद्योग धंधे खुल रहे हैं, किसानों की आमदनी बढ़ रही है, उनको नहीं दिखाई देता है तो नहीं देखें। अब फारूक अब्दुल्ला जैसे कुछ लोगों को छोड़कर कश्मीर में कोई समस्या नहीं है। फारूक अब्दुल्ला के दिल के अरमान आंसुओं में बह जाएंगे, क्योंकि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। उल्लेखनीय है कि फारूक अब्दुल्ला ने कल पाकिस्तान से बातचीत नहीं करने पर गाजा जैसे हालात होने की बात कही थी। इसी को लेकर गिरिराज सिंह ने पलटवार किया है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने आवास पर एमएलसी सहित मंत्रियों से की मुलाकात

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को अपने आवास पर विधान परिषद सहित दो कैबिनेट मंत्रियों के साथ मुलाकात की। इस बीच नीतीश कुमार के सबसे भरोसेमंद और जदयू के वरिष्ठ नेता और वित्त मंत्री विजय चौधरी ने कल के घटनाक्रम से लेकर आज तक के पूरे मामले को लेकर स्थिति स्पष्ट की। विजय चौधरी ने कहा है कि राज्य के अंदर चार लाख से अधिक संख्या में नियोजित शिक्षक थे उन्हें अब राज्यकर्मी का दर्जा देने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस निर्णय के प्रति आभार प्रकट करने के लिए आज करीब 6 विधायक और कुछ विधान पार्षद पहुंचे थे। इन लोगों ने सबसे पहले मुझसे संपर्क किया था तो हम उनके साथ हम सभी लोग मुख्यमंत्री को आभार प्रकट करने के लिए पहुंचे थे। बस इतनी सी ही बात थी। इसके अलावा कोई बड़ी बात नहीं थी। विजय चौधरी ने कहा कि आज पार्टी से जुड़े किसी मसले के लिए बातचीत करने के लिए लोग इकट्ठा नहीं हुए थे। आज जो भी लोग आए हैं वह कल मंत्रिमंडल में लिए गया फैसले के प्रति धन्यवाद ज्ञापन करने आए हैं। इसके अलावा कोई भी बात नहीं है। आपलोग बेकार का परेशान हो रहे हैं। कहीं कोई भी चिंता करने वाली बात नहीं है। जब विजय चौधरी से ललन सिंह की स्थिति को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि कल भी कहा था और आज फिर कहता हूं कि ऐसी कोई बात नहीं है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष की तरफ से इस्तीफा दिए जाने की बात सही नहीं है। यह बिल्कुल अफवाह उड़ाई गई है। कल उन्होंने खुद भी बोल दिया है कि ऐसी कोई बात नहीं है। यह बात बिल्कुल फर्जी है। इसके बावजूद आप लोग क्यों इस मुद्दे को इतना तूल दे रहे हैं। मुझे यह समझ में नहीं आ रहा है। भाजपा और उपेंद्र कुशवाहा की तरफ से किए जा रहे दावे पर जदयू नेता ने कहा कि मैं बार-बार कहता हूं कि मुझे किसी घटना के बारे में पूछिएगा तो मैं बता सकता हूं लेकिन कोई नेता क्या कह रहा है, क्या नहीं कह रहा है तो इस पर हम कुछ भी नहीं बोलते हैं। किसी चीज के बारे में आपको जानना है तो मुझसे पूछिए। किसने क्या कहा, क्या नहीं कहा। यह पूछने के लिए और इस पर बोलने के लिए मुझे जरूरत नहीं है। इसके अलावा जदयू के वापस से भाजपा के साथ गठबंधन होने के सवाल पर विजय चौधरी ने कहा कि हमारे तरफ भाजपा की नजर नहीं है। सुशील मोदी को खास तौर पर भाजपा में कोई नहीं पूछ रहा है। इसलिए वह इधर-उधर भटकते रहते हैं और यह सब बात कहते रहते हैं।

बरेली में मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाए जाने पर मुस्लिम समाज में रोष

बरेली (हिंस)। इमामों की शान में तौकीर रजा मैदान में हाथों में तख्तियां और नारों के साथ मुस्लिम समाज पैदल मार्च करते हुए बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। आईएमसी पदाधिकारी का आरोप है कि लाउडस्पीकर हटवाने के नाम पर मस्जिद के इमामों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। मुस्लिम समुदाय इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। इसी को लेकर आईएमसी पदाधिकारी ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा है। धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाने के निर्देशों का पुलिस सख्ती से पालन कर रही है। चाहे मंदिर हो या मस्जिद या फिर कोई भी धार्मिक स्थल। यहां से लाउड स्पीकर को हटवाया जा रहा है। इसी प्रकरण में आईएमसी प्रमुख की अगुआई में पदाधिकारियों ने चौकी चौराहा से पैदल मार्च किया।

राहुल गांधी पहुंचे बजरंग पूनिया के अखाड़े में, ढाई घंटा रुके, पहलवानों से की चर्चा

झज्जर (हिंस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार सुबह अचानक हरियाणा के झज्जर जिला के गांव छारा स्थित लाला दीवानचंद अखाड़ा पहुंचे। राहुल गांधी यहां करीब ढाई घंटे तक रुके और पहलवानों से चर्चा की। ओलिंपियन पहलवान बजरंग पूनिया भी उनके साथ थे। इस अखाड़े से ही बजरंग पूनिया और पहलवान दीपक पूनिया कुश्ती का अभ्यास शुरू किया था। दीपक पूनिया इसी गांव के रहने वाले हैं। गांव छारा के इस अखाड़े में राहुल गांधी ने पहलवानों से वर्तमान राजनीतिक हालात चर्चा की। इसके बाद राहुल गांधी दिल्ली लौट गए। राहुल गांधी कुश्ती संघ को लेकर चल रही खींचतान के बीच बजरंग के बचपन के अखाड़े में पहलवानों से मिले। उन्होंने कोच वीरेंद्र दलाल व कई पहलवानों से बातचीत की। राहुल गांधी का काफिला सुबह कोहरे को चीरता हुआ दिल्ली से चलकर सीधा टांडाहेड़ी, मांडोठी, मातन होते हुए गांव छारा के लाला दीवानचंद अखाड़े में पहुंचा। राहुल ने यहां कसरत भी की और कुछ पहलवानों के साथ कुश्ती का अभ्यास किया। अखाड़ा संचालक वीरेंद्र आर्य ने परिसर में उगी मूलियां भेंट करके राहुल गांधी का स्वागत किया। राहुल ने बाजरे की रोटी और सरसों का साग भी पहलवानों के साथ खाया। वह जाते वक्त ग्रामीणों द्वारा उपहार स्वरूप दिए गए गन्ने और मूली साथ लेकर गए। अखाड़ा संचालक वीरेंद्र आर्य ने बताया कि राहुल गांधी से कुश्ती के भविष्य पर विस्तार से चर्चा हुई।

मोदी की गारंटी वाली गाड़ी लोगों का बढ़ा रही विश्वास : नंदी

प्रयागराज (हिंस)। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने सांसद केशरी देवी पटेल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ फव्वारा चौराहा, ममफोर्डगंज में विकसित भारत संकल्प यात्रा में सम्मिलित होते हुए मोदीजी की गारंटी वाली गाड़ी का स्वागत किया। वहीं, वर्चुअल माध्यम से जुड़ते हुए प्रधानमंत्री के उद्बोधन को सुना। नंदी ने कहा कि मोदी की गारंटी वाली गाड़ी जहां भी जा रही है, वहां लोगों का विश्वास बढ़ा रही है। इस अवसर पर मंत्री नंदी ने कहा कि यात्रा शुरू होने के बाद उज्ज्वला गैस कनेक्शन के लिए 4.5 लाख नए लाभार्थियों ने आवेदन किया है। यात्रा के दौरान मौके पर ही 1 करोड़ आयुष्मान कार्ड दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा, ऐसे लोगों तक पहुंचने का बहुत बड़ा माध्यम बनी है।

सांसद-विधायक का घेराव, रोड नहीं तो वोट नहीं के लगे नारे

पलामू (हिंस)। सड़क की समस्या झेल रहे जिले के पाटन प्रखंड के ग्राम पंचायत सूठा के ग्रामीणों ने बुधवार को पलामू के सांसद वीडी राम एवं छतरपुर-पाटन की विधायक पुष्पा देवी का घेराव किया। साथ ही रोड नहीं तो वोट नहीं के नारे लगाए। सुठा पंचायत के ग्राम करर खुर्द, करर कला दुआरवा, नौकाड़ीह के ग्रामीणों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पाटन के सुठा पंचायत सचिवालय में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को में शामिल होने के लिए सांसद एवं विधायक पहुंचे हुए थे। ग्रामीणों ने सूठा से लोइंगा मुख्य सड़क पर बैठ कर दोनों जनप्रतिनिधियों का घेराव किया। बैनर पोस्टर के साथ धरना दिया। प्रदर्शन में महिला एवं पुरुष सैकड़ों की संख्या में शमिल थे। ग्रामीणों ने बताया कि आजादी के समय से ही करर खुर्द, करर कला, दुआरवा में सड़क नहीं बनी है। आवागमन में भारी परेशानी होती है। सड़क पीडब्लूडी रोड से करर खुर्द, करर कला, दुआरवा से होते हुए आगरा को जोड़ती है जिसकी लंबाई लगभग 6 किलोमीटर है जिसमें 6000 लोगों की आबादी बस्ती है। रोड नहीं होने से विकास की मुख्यधारा से यह क्षेत्र कटा हुआ है। ग्रामीणों ने सांसद-विधायक से रोड बनाने की मांग की। ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन जोरदार था। प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार झा ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। सांसद एवं विधायक ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि आपसबों की मांग सही है। जिले के 11 सड़कों पर केस हुआ है। नतीजा रोड नहीं बन पा रहा है।

निर्यात बढ़ाने-आयात घटाने के लिए 24 क्षेत्रों पर सरकार का जोर, डीपीआईआईटी बना रहा यह एक्शन प्लान

नई दिल्ली ।
घरेलू विनिर्माण व निर्यात बढ़ाने के साथ आयात घटाने के लिए उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) 24 उप-क्षेत्रों के साथ काम कर रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, मेक इन इंडिया 2.0 के तहत भी 27 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। डीपीआईआईटी 15 विनिर्माण क्षेत्रों के लिए एक्शन प्लान बना रहा है। डीपीआईआईटी जिन क्षेत्रों के साथ काम कर रहा है, वे भारतीय उद्योगों की ताकत हैं। उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त, निर्यात संभावना और बढ़ी रोजगार क्षमता को ध्यान रखकर चुना गया है। वाणिज्य विभाग सेवाओं से जुड़े 12 क्षेत्रों के साथ योजना बना रहा है।

इन क्षेत्रों पर ध्यान - फर्नीचर, एसी, चमड़ा, तैयार खाना, मछली पालन, कृषि उत्पाद, ऑटो कलपुर्जे, एल्यूमीनियम, कृषि रसायन, इस्पात, कपड़ा, ईवी कलपुर्जे, इथेनॉल, इलेक्ट्रॉनिक्स, चीनी मिट्टी की चीजें, सेट टॉप बॉक्स, रोबोटिक्स, टीवी, क्लोज सर्किट कैमरे, खिलौने, ड्रोन, चिकित्सा उपकरण, खेल के सामान।

इस्पात : पीएलआई 2.0 योजना - केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा, सरकार पीएलआई योजना 2.0 पर काम कर रही है। साथ ही 2024 में इस्पात के लिए पर्याप्त कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के तरीकों पर भी विचार कर रही है। मजबूत आर्थिक वृद्धि से इस्पात की मांग बढ़ेगी, हालांकि कंपनियां कई देशों के तनाव के चलते अनिश्चितताओं के बीच बढ़ते आयात और कच्चे माल की ऊंची कीमतों को लेकर चिंतित हैं। भारत ने 2030 तक 30 करोड़ टन इस्पात विनिर्माण क्षमता का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में देश की क्षमता करीब 16.1 करोड़ टन है।

पीएलआई : 14 क्षेत्र के 746 आवेदन मंजूर - दवा, एलईडी, एसी और इलेक्ट्रिक उत्पादों जैसे 14 क्षेत्रों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के तहत नवंबर तक 746 आवेदनों को मंजूरी मिली है। विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात को बढ़ाने के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई की घोषणा की गई थी। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, लाभार्थी कंपनियों ने 24 राज्यों के 150 से अधिक जिलों में इकाइयां स्थापित की हैं। सितंबर तक 95,000 करोड़ से अधिक का निवेश हुआ है। इससे 7.80 लाख करोड़ का उत्पादन या बिक्री हुई है।

न्यूज ब्रीफ

बिहार में दीघा से सोनपुर के बीच गंगा नदी पर बनेगा सिक्स लेन पुल, नारियल के लिए एमएसपी को मंजूरी

नई दिल्ली । केंद्रीय कैबिनेट कई अहम फैसलों को मंजूरी दी है। कैबिनेट ने बिहार के दीघा सोनपुर के बीच

गंगा नदी पर छह लेन पुल के निर्माण को मंजूरी दी है। इसके साथ नॉर्थ त्रिपुरा और साउथ त्रिपुरा को जोड़ने से जुड़े प्रस्ताव को भी कैबिनेट की हरी झंडी मिल गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नारियल पर एमएसपी बढ़ाने को भी अपनी मंजूरी दी है। कैबिनेट ने बिहार में दीघा और सोनपुर को जोड़ने वाले गंगा नदी पर 4.56 किमी लंबे, 6-लेन पुल के निर्माण को मंजूरी दे दी है। बिहार में गंगा नदी पर सिक्स लेन पुल बनाने की परियोजना पर कुल 3,064.45 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गंगा नदी पर बनने वाले सिक्स लेन पुल के नीचे से बड़े पानी के जहाज भी गुजर सकेंगे। इससे सरकार की देश में नदियों के जलमार्ग को बढ़ाने की परिकल्पना को भी बढ़वा मिलेगा। बिहार में दीघा और सोनपुर को जोड़ने वाले गंगा नदी पर 4.56 किमी लंबे, 6-लेन पुल के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर कुल 3,064.45 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। केंद्रीय कैबिनेट ने त्रिपुरा में खोवाई-हरिना सड़क के बीच 135 किलोमीटर खंड के सुधार और चौड़ीकरण को योजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना में 2,486.78 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। जिसके लिए 1,511.70 करोड़ रुपये का ऋण लिया जाएगा। कैबिनेट ने 2023 सीजन के लिए कोपरा (नारियल) के न्यूनतम समर्थन मूल्य को मंजूरी दी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 2023 सीजन के लिए कोपरा के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है।

20 फीसदी बढ़ा शिक्षा कर्ज, अप्रैल-अक्तूबर में पढ़ने के लिए भारतीयों ने लिए 1.10 लाख करोड़ रुपये का लोन

नई दिल्ली । शिक्षा कर्ज चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्तूबर अवधि में सालाना आधार पर 20.6 फीसदी बढ़कर 1,10,715 करोड़ रुपये के पांच साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, एक साल पहले की समान अवधि में भारतीयों ने 96,853 करोड़ के शिक्षा कर्ज लिए थे। शिक्षा कर्ज में वृद्धि की रफ्तार 2022-23 में 12.3 फीसदी रही थी, जबकि 2021-22 में इसमें 3.1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। एसबीआई के वरिष्ठ अर्थशास्त्री बिबेकानंद पांडा ने कहा, एक साल में जितने शिक्षा कर्ज बांटे गए, उनमें विदेश जाकर पढ़ने की खातिर लिए गए कर्ज का हिस्सा 65 फीसदी रहा। इसका औसत आकार 40-60 लाख रुपये रहा। पांडा ने कहा, भारत के साथ विदेश में ऑफलाइन कैंपस कोर्स की मांग में सुधार से शिक्षा कर्ज की मांग बढ़ी है। हु परेशानी मुक्त आवेदन और कर्ज वितरण प्रक्रिया ने शिक्षा कर्ज क्षेत्र की रफ्तार बढ़ाई है। हु गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) भी इस क्षेत्र में काफी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यूनियन बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, अमेरिका जाकर पढ़ने के लिए शिक्षा कर्ज की मांग उच्च स्तर पर है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने अक्तूबर, 2022 से सितंबर, 2023 के बीच रिकॉर्ड 1.40 लाख छात्र वीजा जारी किए।

भारत ब्रांड के तहत 25 रुपये किलो की दर से चावल बेचेगी सरकार, कीमतों पर नियंत्रण रखना है लक्ष्य

नई दिल्ली । सरकार अब भारत ब्रांड के तहत 25 रुपये प्रति किलो की दर से चावल बेचेगी। इसकी

बिक्री भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड), राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) और केंद्रीय भंडार आउटलेट के माध्यम से की जाएगी। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार चावल की बढ़ती कीमतों को काबू में रखने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। सरकार पहले से ही भारत ब्रांड के तहत आटा और दालों की बिक्री करती है। नवंबर में खाद्यान्न की कीमतों में 10.27 प्रतिशत इजाफा हुआ, जिससे नवंबर महीने में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 8.70 प्रतिशत पर पहुंच गई। इससे पिछले महीने में यह 6.61 प्रतिशत थी। कुल कंज्यूमर प्राइस बास्केट में खाद्य मुद्रास्फीति की हिस्सेदारी लगभग आधी है। बीते कुछ महीनों में सरकार भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की ओर से की गई ई-नीलामी के माध्यम से खुले बाजार में बिक्री बढ़ाकर गेहूं की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने में सफल रही है। हालांकि इस दौरान चावल का उठाव न्यूनतम रहा है।

चालू खाता घाटा में आई कमी, वस्तु व्यापार का घाटा कम होने व सेवाओं का निर्यात बढ़ने से आई गिरावट

मुंबई ।
देश के चालू खाते का घाटा (कैड) 2023-24 की दूसरी तिमाही में कम होकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का सिर्फ एक फीसदी या 8.3 अरब डॉलर रह गया।मुख्य रूप से वस्तु व्यापार का घाटा कम होने और सेवा निर्यात बढ़ने से चालू खाते का घाटा कम हुआ है। आरबीआईके जारी आंकड़ों के मुताबिक, 2022-23 की दूसरी तिमाही में यह 3.8 फीसदी या 30.9 अरब डॉलर रहा था। कैड चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 9.2 अरब डॉलर या 1.1 फीसदी था। भारत के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान भुगतान संतुलन की स्थिति पर जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान भी कैड कम होकर जीडीपी का एक फीसदी रह गया।एक साल पहले की समान अवधि में यह घाटा जीडीपी का 2.9 फीसदी रहा था। आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 की दूसरी तिमाही में व्यापार घाटा (वस्तु निर्यात-आयात का अंतर) कम होकर 61 अरब डॉलर रहा। 2022-23 की दूसरी तिमाही में यह 78.3 अरब डॉलर रहा था। सॉफ्टवेयर निर्यात, व्यापार व यात्री सेवाएं बढ़ने से सेवा निर्यात 4.2 फीसदी बढ़ा।शुद्ध सेवा प्राप्तियां तिमाही और सालाना दोनों स्तर पर बढ़ी हैं।

प्रवासियों का जमा : 3.2 अरब डॉलर - आंकड़ों के मुताबिक, प्रवासी भारतीयों का जमा दूसरी तिमाही में बढ़कर 3.2 अरब डॉलर पहुंच गया।एक साल पहले की समान अवधि में यह रकम 2.5 अरब डॉलर रही थी।इसके अलावा, प्रवासियों की ओर से भारत में भेजी गईराशि भी 2.6 फीसदी बढ़कर 28.1 अरब डॉलर पहुंच गई।

शुद्ध एफडीआई : 4.9 अरब डॉलर - शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

(एफडीआई) के मोर्चे पर 0.3 अरब डॉलर की निकासी हुईहै।एक साल पहले की समान अवधि में 6.2 अरब डॉलर का शुद्ध निवेश आया था। विदेशी संस्थागत निवेश 4.9 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले के 6.5 अरब डॉलर से कम है।

उच्च सब्सिडी खर्च से बढ़ेगा राजकोषीय घाटा - चालू वित्त वर्ष में कर संग्रह में अच्छी वृद्धि के बावजूद महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और सब्सिडी पर ऊंचे खर्च से राजकोषीय घाटा बढ़ सकता है। रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने कहा, 2023-24 में राजकोषीय घाटा निर्धारित लक्ष्य से अधिक 6 फीसदी रह सकता है। बजट में इसके जीडीपी का 5.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया था। सरकार ने पोषक तत्व आधारित उर्वरक सब्सिडी पर 44,000 करोड़ खर्च का अनुमान रखा था। इसे बढ़ाकर 57,360 करोड़ किया गया है।मनरेगा के लिएआवंटित 60,000 करोड़ के मुकाबले 79,770 करोड़ खर्च हो चुके हैं।

कर संग्रह के मोर्चे पर अच्छी वृद्धि - इंडिया रेटिंग्स ने कहा, चालू वित्त वर्ष में कर संग्रह बजट अनुमान का 11.7 फीसदी अधिक रहने की उम्मीद है। अप्रैल-अक्तूबर में ही संग्रह बजट अनुमान का 60 फीसदी पहुंचा। इसकी वजह कर आधार बढ़ना, बेहतर अनुपालन व कर संग्रह प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल है। एजेंसी के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र पंत ने कहा, 2023-24 में यह 23.3 लाख करोड़ के बजट अनुमान के मुकाबले 24.5 लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा। इससे कर/जीडीपी अनुपात के बढ़कर 8.81 फीसदी तक पहुंचने में मदद मिलेगी। बजट अनुमान 7.72 फीसदी।

आईटीआर और टीडीएस कटौती में अंतर, आयकर विभाग ने करदाताओं को भेजी एडवायजरी

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने कहा कि उसने कुछ करदाताओं को एडवायजरी के रूप में पत्र भेजे हैं। विभाग ने कहा कि आईटीआर में प्रकटीकरण और सूचना देने वाली इकाई से मिली सूचना में स्पष्ट अंतर है। टीडीएस/टीसीएस कटौती और आईटीआर फाइलिंग डाटा में अंतर के बारे में भेजे गए संदेश के बारे में आयकर विभाग की ओर से सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की गई है। विभाग ने कहा कि इस तरह के संवाद करदाताओं की सुविधा के लिए हैं और उन्हें वर्षों के दौरान इकाइयों द्वारा रिपोर्ट किए गए लेनदेन के संबंध में उपलब्ध जानकारी से अवगत कराने के लिए हैं। विभाग ने एक्स पर कहा, यह सभी करदाताओं को नोटिस नहीं भेजा गया है, बल्कि यह केवल उन मामलों में एडवायजरी भेजी गई है, जहां आईटीआर में रिपोर्टिंग इकाई से प्राप्त सूचना के बीच स्पष्ट रूप से विसंगति है। इस पत्र (एडवायजरी) का उद्देश्य करदाताओं को एक अवसर प्रदान करना और उन्हें आयकर विभाग के अनुपालन पोर्टल पर अपनी प्रतिक्रिया ऑनलाइन प्रदान करने की सुविधा प्रदान करना है और यदि आवश्यक हो तो पहले से दाखिल किए गए अपने रिटर्न को संशोधित करना या अब तक दाखिल न किए जाने पर रिटर्न दाखिल करना है। आयकर विभाग ने कहा, आकलन वर्ष 2023-24 (2022-23 में अर्जित आय से संबंधित) के लिए विलंबित रिटर्न को संशोधित करने या दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर, 2023 है। करदाताओं से अनुरोध किया जाता है कि वे प्राथमिकता के आधार पर इस पत्र का जवाब दें। आयकर कानून के तहत रिपोर्टिंग इकाइयों को कर विभाग के पास वित्तीय लेनदेन का ब्योरा (एसएफटी) दाखिल करना होता है जिसमें कुछ वित्तीय लेनदेन या वर्ष के दौरान उनके द्वारा रखे जाने वाले किसी रिपोर्ट करने योग्य खाते का ब्योरा होता है। रिपोर्टिंग इकाइयों में फॉरेक्स डीलर, बैंक, सब-रजिस्ट्रार, एनबीएफसी, पोस्ट ऑफिस, बॉन्ड/डिबेंचर जारीकर्ता, म्यूचुअल फंड ट्रस्टी, लाभांश देने वाली कंपनी या शेयर वापस खरीदना शामिल हैं।

निफ्टी ने नए ऑल टाइम हाई का बनाया रिकॉर्ड, बैंकिंग शेयरों में मजबूती से पहली बार 21600 के पार

नई दिल्ली ।
भारतीय शेयर बाजार में बढ़िया तेजी दिख रही है। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी लगातार हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी एक बार फिर अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। कारोबारी सेशन के दौरान निफ्टी अपने नए ऑल टाइम हाई 21,603.40 के स्तर पर पहुंच गया। फिलहाल यह 21,589 के लेवल पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में हिंडाल्को के शेयर सबसे ज्यादा 3.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 602.65 रुपये के भाव पर कारोबार करते दिखे। टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, एसबीआई लाइफ और इंडसइंड बैंक के शेयरों में भी बढ़िया मजबूती दिखी। वैश्विक बाजारों में बढ़त के बाद बैंकिंग, ऑटो और आईटी सेक्टर के शेयरों में मजबूती के बल पर भी भारतीय शेयर बाजार में हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। निफ्टी पहली बार 21,600 के लेवल पर पर करने में सफल रहा। सुबह 12 बजकर 15 मिनट पर निफ्टी 141 अंकों या 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,582 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं दूसरी ओर, सेंसेक्स 482 अंकों या 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71,819.10 के लेवल पर कारोबार करता दिखा। सेंसेक्स के शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड और टाटा मोटर्स के शेयर एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ टॉप गेनर्स के रूप में कारोबार करते दिखे। जेएसडब्ल्यू स्टील, इंफोसिस, टाटा स्टील और एलएंडटी के शेयर भी बढ़त के साथ खुले। इस दौरान केवल एचडीएफसी बैंक और सन फार्मा के शेयरों में लाल निशान पर शुरुआत हुई। कारोबार के दौरान अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में पीएफसी कंसल्टिंग की ओर से हलवाड ट्रांसमिशन के एसपीवी (स्पेशल पर्पस व्हीकल) के अधिग्रहण के लिए एलओआई (लेटर ऑफ इंटेंट) मिलने के बाद चार प्रतिशत की बढ़त आई। वहीं सरकारी स्वामित्व वाले एसजेवीएन के शेयरों में भी 4.4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। सेक्टरवार बात करें निफ्टी मेटल के शेयर 0.64 प्रतिशत उछले। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.6 प्रतिशत उछला। निफ्टी बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, रियल्टी और फर्मा सेक्टर के शेयर भी बढ़त के साथ खुले। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप 100 में 0.54 प्रतिशत का उछाल आया जबकि स्मॉलकैप 100 0.7 प्रतिशत चढ़ा।

विप्रो ने पूर्व सीएफओ जतिन दलाल पर केस किया: 1 दिसंबर को कंपनी छोड़ कॉग्निजेंट जॉइन की थी, 20 साल से विप्रो में थे

नई दिल्ली ।
आईटी कंपनी विप्रो लिमिटेड ने अपने पूर्व चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर जतिन दलाल के खिलाफ केस फाइल किया है। जतिन पर यह मुकदमा बेंगलुरु के सिविल कोर्ट में किया गया है। कंपनी ने अपने स्टेटमेंट में इस बात की जानकारी दी है। हालांकि मामला दर्ज कराने के पीछे के कारणों की जानकारी नहीं हो पाई है। मामले की पहली सुनवाई 28 नवंबर को हुई थी। इसकी अगली सुनवाई 3 जनवरी 2024 को होनी है। इससे पहले जतिन दलाल ने कोर्ट में मध्यस्थता यानी बातचीत के जरिए मामले के समाधान के लिए अर्जी लगाई है। जतिन दलाल ने इस साल एक दिसंबर को विप्रो छोड़कर कॉग्निजेंट में ईएफओ के पोस्ट पर जॉइन कर लिया था। जतिन पिछले 20 साल से विप्रो से जुड़े रहे थे। इस दौरान उन्होंने कई पदों पर काम किया। वे 2015 से कंपनी के सीएफओ के पद पर थे। साल 2019 में उन्हें कंपनी के प्रेसिडेंट की एडिशनल जिम्मेदारी भी दी गई थी। इससे पहले विप्रो ने अपने पूर्व एसवीपी और हेल्थ केयर एवं मेडिकल डिवाइस हेड मोहम्मद हक के खिलाफ भी मामला दर्ज कराया है। जतिन से पहले हक ने कॉग्निजेंट में एसवीपी और साइफ साइंसेज में बिजनेस यूनिट हेड के पोस्ट पर जॉइन किया

है। विप्रो ने 18 अक्टूबर को फाइनेंशियल ईयर 2024 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,646.3 करोड़ रुपए रहा।

एक साल पहले कंपनी को 2,659 करोड़ का मुनाफा हुआ था। ऑपरेशन्स से इस तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 0.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,516 करोड़ रहा, जो पिछले साल इसी तिमाही में 22,540 करोड़ रुपए था।

भारत कोविड टीकों का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक, चीन-रूस के बाद कुल 23.4 करोड़ वैक्सीन का किया निर्यात

नई दिल्ली ।
चीन और रूस के बाद भारत कोविड टीकों का तीसरा बड़ा निर्यातक बन गया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने जनवरी 2021 से जून 2023 तक 30.1 करोड़ कोविड टीके की खुराक का निर्यात किया है। इसमें से कुल 77 फीसदी यानी 23.4 करोड़ कोविड टीके वाणिज्यिक उद्देश्य से दिए गए। 17.3 फीसदी टीकों की खुराक कोवैक्स के माध्यम से सीधे तौर पर निम्न आय वाले विकासशील देशों को दी गई थीं। नीदरलैंड को इनमें से लगभग आधी खुराक (48 प्रतिशत) मिलीं। प्रमुख प्राप्तकर्ता देशों में बांग्लादेश, नाइजीरिया और नेपाल शामिल हैं, जिन्हें कोविड टीके की 1.5 करोड़ खुराकें मिलीं। वहीं, अन्य प्रमुख प्राप्तकर्ता देशों में ऑस्ट्रेलिया और म्यांमार भी हैं। आंकड़ों के मुताबिक, कोवैक्स के तहत भारत ने वैश्विक स्तर पर 5.2 करोड़ टीके की खुराक वितरित कीं।

टीकों के अनुदान के मामले में भी आगे - भारत ने कोवैक्स मिशन के तहत कई देशों को अनुदान के रूप में कोविड टीके दो कारकों से प्रेरित होकर दिए। पहला भू-राजनीतिक विचार से, जहां भारत ने प्रवाह का मुकाबला करने का लक्ष्य रखा था। दूसरा कारण विनिर्माण लागत की भरपाई करना था। टीकों का आयात जनवरी-जून 2021 में 3.6 करोड़ से बढ़कर जनवरी-जून 2022 में 10.4 करोड़ हो गया। कोवैक्स के तहत टीका आपूर्ति 2021 के मुकाबले

2022 में 1.9 करोड़ से घटकर 73.6 लाख हो गई। इसका कारण विश्व में कोरोना के घटते मामले रहे। सीरम इंस्टीट्यूट ने विश्व स्तर पर 29.5 करोड़ टीकों की आपूर्ति की। इसमें 12.5 करोड़ कोविशील्ड की खुराकें थीं। बिक्री की श्रेणी में 16.8 करोड़ कोवोवैक्स टीकों व 6.2 करोड़ कोविशील्ड टीकों की आपूर्ति की। भारत में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों के बाद नेपाल ने सख्ती शुरू कर दी है। भारत से नेपाल जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को झूलाघाट में एंटीजन टेस्ट करने के बाद ही आगे जाने दिया जा रहा है। स्वास्थ्य कार्यालय बैतड़ी के सूचना अधिकारी विपिन लेखक ने कहा, स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी तस्दीक की।

महादेव एप का प्रमोटर चंद्राकर दुबई में नजरबंद, ईडी के अनुरोध पर यूएई के अधिकारियों ने की कार्रवाई

नई दिल्ली ।
प्रवर्तन निदेशालय के अनुरोध पर संयुक्त अरब अमीरात सरकार ने चंद्राकर के खिलाफ जारी रेड कॉर्नर नोटिस पर संज्ञान लेते हुए यह कदम उठाया है। हालांकि ईडी ने आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है। सट्टेबाजी के आरोप में बंद किए गए महादेव एप के प्रमोटरों पर कानून का शिकंजा कस गया है। एप के प्रमोटर और मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर को दुबई में नजरबंद कर दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय के अनुरोध पर संयुक्त अरब अमीरात सरकार ने चंद्राकर के खिलाफ जारी रेड कॉर्नर नोटिस पर संज्ञान लेते हुए यह कदम उठाया है। हालांकि ईडी ने आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है।

इस बारे में कुछ मीडिया समूहों ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है। दुबई में सौरभ चंद्राकर के ठिकाने पर ताला लगाकर उसे नजरबंद कर दिया गया है। चंद्राकर को जल्द ही भारत लाया जा सकता है। दुबई से मिली खबरों के अनुसार सौरभ चंद्राकर को घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई है। कहा जा रहा है कि उसे छोड़ा गया तो वह भाग सकता है। यूएई के अधिकारियों ने उसपर नजर टिका रखी है। दुबई के अधिकारी भारतीय अधिकारियों की ओर से उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू करने का इंतजार कर रहे हैं।

सट्टे का अड्डा बन गया था महादेव एप

महादेव बेटिंग एप ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए बनाया गया है। इस पर यूजर्स पोकर, कार्ड गेम्स, चांस गेम्स नाम से लाइव गेम खेलते थे। एप के जरिये क्रिकेट, बैडमिंटन, टेनिस, फुटबॉल जैसे खेलों और चुनावों में अवैध सट्टेबाजी भी की जाती थी। अवैध सट्टे के नेटवर्क के जरिये एप का जाल तेजी से फैला और सबसे ज्यादा खाते छत्तीसगढ़ में खुले। इस एप से धोखाधड़ी के लिए एक पूरा खाका बनाया गया था।

फ्रेंचाइजी के रूप में चलाते थे एप

महादेव बेटिंग ऐप कई ब्रांच से चलता था। हर ब्रांच को सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल फ्रेंचाइजी के रूप में बेचते थे। यूजर को सिर्फ शुरुआत में फायदा और बाद में नुकसान होता। फायदे का 80 प्रतिशत हिस्सा दोनों अपने पास रखते थे। इसे ऐसे बनाया गया था कि सिर्फ 30 फीसदी यूजर जीतते, बाकी हार जाते।

संजय भंडारी का रिश्तेदार है सुमित चड्ढा

चड्ढा के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी करते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश ने कहा कि ईडी के अनुरोध और 16 अक्तूबर की रिपोर्ट को देखते हुए उनका मानना है कि आरोपी सुमित चड्ढा की उपस्थिति सामान्य प्रक्रिया के माध्यम से सुनिश्चित नहीं हो सकती। ऐसे में कोर्ट आरोपी की पेशी के लिए उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी करती है।

जर्मनी के पूर्व वित्त मंत्री वोल्फगैंग शाउबल का निधन, देश को ऋण संकट से बाहर निकालने में था योगदान

नई दिल्ली । जर्मनी के पूर्व वित्त मंत्री वोल्फगैंग शाउबल का 81 साल की उम्र में निधन हो गया है। यह खबर सामने आई है। वोल्फगैंग शाउबल वो शख्स थे जिन्होंने 1990 में जर्मन एकीकरण पर बातचीत करने में मदद की थी। उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में आठ वर्षों के अपने कार्यकाल के दौरान यूरोपीय देश को ऋण संकट से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। उनके परिवार ने जर्मन समाचार एजेंसी को बताया कि शाउबल का घर पर ही निधन हो गया। अक्टूबर 2009 में ग्रीस के बढ़ते बजट घाटे के बारे में खुलासे से ठीक पहले शाउबल चांसलर एंजेला मर्केल के वित्त मंत्री बने थे। ग्रीस के खुलासे से महाद्वीप में संकट पैदा हो गया था और दुनिया की वित्तीय व्यवस्था के अस्थिर करने का खतरा पैदा हो गया था। उस दौरान हालात से निपटने में शाउबल अहम भूमिका निभाई थी।

रेलवे की छह मुक्केबाजों की निगाहें राष्ट्रीय खिताब पर

ग्रेटर नोएडा।
रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) जीबीयू इंडोर स्टेडियम में आयोजित 7वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में छह स्वर्ण पदक जीतने की राह पर है. हुए सेमीफाइनल में अनामिका (50 किग्रा), ज्योति (52 किग्रा), शिक्षा (54 किग्रा), सोनिया लाठेर (57 किग्रा), नंदिनी (75 किग्रा) और नूपुर (81+ किग्रा) ने टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 50 किग्रा वर्ग में पिछले साल की उपविजेता अनामिका प्रतियोगिता में अपना पदक बेहतर करने के लिए हरियाणा की कल्पना से भिड़ेंगी. सेमीफाइनल में, अनामिका ने दूसरे दौर में रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट (आरएससी) के फैसले से मणिपुर की मैबाम रोज़मेरी चानू को हरा दिया जबकि कल्पना ने अपनी प्रतिद्वंद्वी पंजाब की एकता सरोज को 5-0 से हराया। 52 किग्रा के मुकाबले में, रेफरी को मुकाबला रोकने के लिए एक बार फिर आगे आना पड़ा जब असम की भूपाली हजारिका ज्योति के मुक्कों का मुकाबला नहीं कर सकी. अब ज्योति का सामना शिखर मुकाबले में शविंदर कौर सिद्धू से होगा. अखिल भारतीय पुलिस (एआईपी) मुक्केबाज ने राउंड 3 में महाराष्ट्र की सिमरन वर्मा को मुकाबला छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) की जैस्मीन के लिए हिमाचल प्रदेश की मेनका देवी का कोई मुकाबला नहीं था क्योंकि उन्होंने 60 किग्रा वर्ग में 5-0 से जीत हासिल की. दूसरी ओर, सिमरनजीत कौर बाथ ने भी 5-0 से जीत दर्ज की और जैस्मिन के साथ खिताबी भिड़ंत तय की। 63 किग्रा वर्ग में, एआईपी की सोनू ने उत्तर प्रदेश की रिंकी शर्मा पर 5-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में अपना सफर जारी रखा. सोनू का मुकाबला हरियाणा की प्राची से होगा जिनकी तेलंगाना की निहारिका गोनेला के खिलाफ लड़ाई में उन्हें 5-0 से जीत मिली। युवा विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो ने हिमाचल प्रदेश की दीपिका को 5-0 से हराकर 66 किग्रा फाइनल में प्रवेश किया. सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की अरुंधति चौधरी नागालैंड की संजू को 5-0 से हराने के बाद फाइनल मुकाबले में बोरो का इंतजार कर रही होंगी। 81 किग्रा भार वर्ग में असम की भाग्यबती कचारी का हरियाणा की स्वीटी बूरा से कोई मुकाबला नहीं हुआ. 2023 विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता स्वीटी को अपने प्रतिद्वंद्वी से थोड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और उन्होंने 5-0 से जीत हासिल की. इसी वर्ग में पिछले साल की स्वर्ण पदक विजेता स्वीटी अपना खिताब बरकरार रखने की कोशिश करेंगी जब उनकी भिड़ंत मिजोरम की लालफाकमावी राल्टे से होगी, जिन्होंने एआईपी की सुषमा को 4-1 से हराया। डिफेंडिंग हैवीवेट चैंपियन नूपुर, जिन्होंने एलुरा बोर्गोहेन के खिलाफ 5-0 से आसान जीत हासिल की थी, हरियाणा की रितिका के खिलाफ अपने पिछले साल के प्रदर्शन को दोहराने के लिए पूरी तरह तैयार होंगी।

न्यूज ब्रीफ

प्रिंटिग प्रेस में 100 रुपये दिहाड़ी पर की मजदूरी, खुद नहीं बन पाए तो खड़ी कर दी गौरव ने चैंपियन की फौज

ग्रेटर नोएडा। कानपुर के परमट में रहने वाले गौरव कुछ मजबूरियों के चलते बॉक्सिंग में बहुत आगे तक नहीं पहुंचे सके। उनके जीवन की यह सबसे बड़ी पीड़ा थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। प्रिंटिग प्रेस में 100 रुपये दिहाड़ी पर की मजदूरी, खुद नहीं बन पाए तो खड़ी कर दी गौरव ने चैंपियन की फौज उन्होंने बताया कि वह भले ही बॉक्सिंग में बड़ा मुकाम न हासिल कर पाए होलेकिन उन्हें खुशी हैं कि उनके सिखाएं खिलाड़ी देश में नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 20 से अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णरजत और कांस्य पदक जीत चुके है। हाल ही में बुलंदशहर में आयोजित हुई सब जूनियर गर्ल्स चैंपियनशिप में दो खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीते है। प्रिंटिग प्रेस में 100 रुपये दिहाड़ी पर की मजदूरी, खुद नहीं बन पाए तो खड़ी कर दी गौरव ने चैंपियन की फौज खुद नहीं बन पाए तो खड़ी कर दी गौरव ने चैंपियन की फौज जिला एवं राज्य स्तर पर चुने गए सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज गौरव के नाम हैं कई रिकॉर्ड अंकुर त्रिपाठी, ग्रेटर नोएडा। कानपुर के परमट में रहने वाले गौरव कुछ मजबूरियों के चलते बॉक्सिंग में बहुत आगे तक नहीं पहुंचे सके। उनके जीवन की यह सबसे बड़ी पीड़ा थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उनका जीवन भले ही संघर्ष से भरा हुआ रहा, लेकिन उन्होंने कसम खाई थी कि वह चैंपियन की एक फौज तैयार करेंगे। बॉक्सिंग एकेडमी चलाने वाले गौरव की एकेडमी से राष्ट्रीय स्तर के कई बाक्सर निकल चुके हैं। जब वह यह बताते हैं तो उनकी आंखों में एक सपने के पूरे होने की चमक दिखती है। उन्होंने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति सही नहीं होने के कारण सुबह सात से शाम चार बजे तक वह कैंटीन में काम करते थे। वह से छूटने के बाद शाम को दो घंटे का अभ्यास करते थे। वहां से मिलने वाले रुपयों से किसी तरह घर चलाने में मदद मिलती थी। प्रिंटिग प्रेस में 100 रुपये दिहाड़ी पर की मजदूरी गौरव ने बताया कि कई बार ट्रायल देने जाते थे तो उनके बाद रुपये भी नहीं हुआ करते थे। दोस्तों से उधार लेकर वह ट्रायल देने के लिए जाते थे। 2013 से 2015 तक उन्होंने बॉक्सिंग को समय देना कम कर दिया और प्रिंटिग प्रेस में पेपर को ढोने का कार्य शुरु कर दिया। वहां रात में पेपर की ढुलाई में उन्हें 100 रुपये मिलते थे। वह उन्हीं रुपयों को जमा करके ट्रायल देने के लिए जाने लगे। जिला एवं राज्य स्तर पर चुने गए सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज उन्होंने बताया कि वह भले ही बॉक्सिंग में बड़ा मुकाम न हासिल कर पाए हो,लेकिन उन्हें खुशी हैं कि उनके सिखाएं खिलाड़ी देश में नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 20 से अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण,रजत और कांस्य पदक जीत चुके है। हाल ही में बुलंदशहर में आयोजित हुई सब जूनियर गर्ल्स चैंपियनशिप में दो खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीते है। गौरव के नाम कई रिकॉर्ड वर्तमान में गौरव राजपूत उत्तर प्रदेश यूथ कमिशन के सदस्य है। वह गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में चल रही सातवीं एलीट महिला राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की टीम का हिस्सा है। यहां वह फील्ड आफ प्ले की जिम्मेदारी निभा रहे है। वह राज्य स्तर प्रतियोगिता में सात स्वर्ण पदक जीत चुके है। इसके साथ ही जिला एवं राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज भी चुने जा चुके है। आल इंडिया विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में भी बॉक्सिंग रिंग में दिग्गज खिलाड़ियों को पानी पिला चुके हैं।

नवीन, मुजीब और फारूकी को एनओसी नहीं देना गलत : आकाश

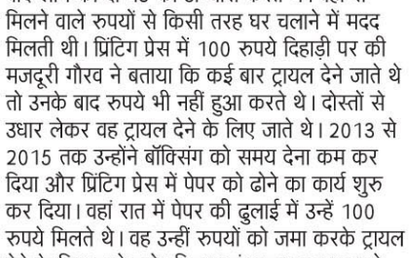

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि नवीन-उल हक, मुजीब उर रहमान और फजलहक फारूकी को एनओसी नहीं देने का अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) का फैसला एक गलत कदम है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नवीन, मुजीब और फारूकी के वार्षिक केंद्रीय अनुबंधों में देरी करने का फैसला किया है। इतना ही नहीं बोर्ड ने फैसला लिया है कि इन खिलाड़ियों के वार्षिक केंद्रीय अनुबंधों से मुक्त करने के अनुरोध के बाद भी अगले दो वर्षों तक एनओसी नहीं दी जाएगी। एसीबी ने कहा कि तीनों ने अफगानिस्तान के लिए खेलने के बजाय अपने व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता दी, जिसे एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी माना जाता है, जिससे उन्हें खिलाड़ियों पर उपर्युक्त प्रतिबंध लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। आकाश चोपड़ा ने कहा, आप उन्हें अवसर नहीं दे रहे हैं। ये खिलाड़ी इसलिए शानदार परफॉर्म नहीं कर रहे हैं क्योंकि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड अच्छा काम कर रहा है, बल्कि इसलिए क्योंकि वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेल रहे हैं। वे अलग-अलग देशों में जाकर क्रिकेट खेलते हैं।

पेरिस के लिए सिंधु को मिला विदेशी कोच सांतोसो का साथ, चोट से उबरने के बाद कोर्ट पर उतरीं पीवी

नई दिल्ली।
दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु नए वर्ष से नए अवतार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करने जा रही हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए उन्होंने अपने लिए नया विदेशी कोच ढूंढ लिया है। सिंधु एक जनवरी से भारतीय टीम के पूर्व इंडोनेशियाई प्रशिक्षक और वर्तमान में थाईलैंड के कोच आगुस ड्वी सांतोसो के संरक्षण में कोचिंग लेंगी। हालांकि दिग्गज प्रकाश पादुकोण बतौर मेंटर उनके साथ जुड़े रहेंगे, लेकिन विदेशी कोच के रूप में अब सांतोसो सिंधु के साथ होंगे। सिंधु बाएं घुटने की चोट से उबरने के बाद वापस कोर्ट पर उतर आई हैं और उन्होंने हैदराबाद में अभ्यास शुरू कर दिया है।

पार्क और हाशिम के बाद अब सांतोसो

कोरियाई कोच पार्क ताई सुंग से अलग होने के बाद सिंधु ने विदेशी कोच कोच के रूप में इंडोनेशियाई दिग्गज मोहम्मद हाफिज हाशिम को अपनाया था, लेकिन उसके बाद उनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन और खराब हो गया। नवंबर में उनके बाएं घुटने में मीडियल कोलेट्रल लिगामेंट (एमसीएल) ग्रेड-2 टियर निकला। चिकित्सकों ने उन्हें पुर्नवास पर जाने की सलाह दी। इस दौरान ही सिंधु ने नए विदेशी कोच की तलाश शुरू की, जो सांतोसो के रूप में पूरी हुई है। सांतोसो पहले भी सिंधु को प्रशिक्षित कर चुके हैं। वह गोपीचंद अकादमी में भारतीय टीम के प्रशिक्षक थे, लेकिन लॉकडाउन के दौरान उन्हें अकादमी में अकेले रहना पड़ा। कुछ दिन बाद वह पद छोड़कर चले गए।

मोटे वेतन पर आएंगे

सूत्रों की मानें तो सांतोसो सिर्फ सिंधु को कोचिंग देने के लिए आ रहे हैं। उनका वेतन 10 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग सवा आठ लाख रुपये) प्रति माह होगा। सिंधु को यह कोच साई की ओर से उपलब्ध कराया जा रहा है। सिंधु के लिए सांतोसो थाईलैंड की टीम के साथ करार तोड़कर आ रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि सिंधु इस दौरान प्रकाश पादुकोण के साथ बंगलूरू के अलावा हैदराबाद दोनों जगह तैयारियां करेंगी। सांतोसो उनके साथ नियमित रूप से रहेंगे।

पूर्व विश्व चैंपियनों के कोच रह चुके हैं सांतोसो

सिंधु पुनर्वास के बाद कोर्ट पर उतर आई हैं। वह इस वक्त हैदराबाद में अभ्यास कर रही हैं, लेकिन उन्हें अभ्यास का भार 50 प्रतिशत तक ही दिया गया है। अगले माह से उनके अभ्यास का भार बढ़ाया जाएगा। सांतोसो पूर्व विश्व नंबर एक कोरियाई शटलर सोन वान हो, पूर्व विश्व चैंपियन इंडोनेशियाई सोनी ड्वी कुंकरो के भी कोच रह चुके हैं।

नेटबॉल नेशनल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में झारखंड, कल होगा रंगारंग समापन समारोह; खेल मंत्री भी होंगे शामिल

गोड्डा। मेजबान झारखंड की बालिका और बालक टीमों ने क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर ली है। गांधी मैदान में आयोजित 29वीं सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में फास्ट फाइव नेटबॉल का क्वार्टर फाइनल मुकाबला खत्म हुआ। मेजबान झारखंड की बालिका-बालक टीम क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल की। वहीं, हरियाणा, मणिपुर, केरल, कर्नाटक, राजस्थान आदि राज्यों की टीमों ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता का समापन होगा। पुरस्कार वितरण के लिए सूबे के खेल मंत्री हफीजुल हसन मुख्य अतिथि रहेंगे। समापन कार्यक्रम में कई बॉलीवुड कलाकारों भी प्रस्तुति देंगे। आयोजन समिति की सचिव सह महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने बताया कि समापन दिवस पर सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। बालक वर्ग में हरियाणा और राजस्थान के बीच पहला सेमीफाइनल होगा वहीं दूसरे सेमी फाइनल में झारखंड और पंजाब का मुकाबला होगा। वहीं बालिका वर्ग का पहला सेमीफाइनल हरियाणा और कर्नाटक के बीच खेला जाएगा। जबकि दूसरा सेफा झारखंड और मणिपुर के बीच होगा।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने रोमांचक मुकाबले में एस्टन को 3-2 से हराया

नई दिल्ली।
प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर यूनाइटेड और एस्टन विला के बीच बेहद रोमांचक खेला गया। रासमस के पहले प्रीमियर लीग गोल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को एक शानदार जीत दिलाई है। यूनाइटेड ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए ओल्ड ट्रैफर्ड में बॉक्सिंग डे पर एस्टन विला को 3-2 से हराया। यह मैनचेस्टर यूनाइटेड की चार लीग मैचों में पहली जीत थी, इस जीत के साथ ही वह अंक तालिका में छठे स्थान पर पर पहुंच गई है।

मैच की शुरुआत में एस्टन विला ने आक्रामक की और उसके लिए पहला गोल जॉन मैकगिन ने 21वें मिनट में किया। 1-0 से पहले ही आगे चल रही एस्टन की बढ़त मात्र पांच मिनट बाद दोगुनी हो गई, जब लिएंडर डेंडोनकर ने 26वें मिनट में टीम के लिए दूसरा गोल दागा। 2-0 से पिछड़ने के बाद यूनाइटेड दबाव में दिखी, लेकिन हॉफ टाइम के बाद मैच का पासा ही पलट गया।

अंतिम क्षणों में हुई कांटे की टक्कर

एलेजांद्रो गार्नाचो ने 59वें मिनट में मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पहला गोल दागा। यहां से टीम में उम्मीद जगी और उन्होंने तेजी से अटैक करना शुरु किया। जल्द ही एलेजांद्रो ने अपना दूसरा गोल करते हुए 71वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। मैच के अंतिम क्षणों में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर हुई और रासमस के विनिंग गोल ने रोमांचक मैच में मैनचेस्टर की जीत की कहानी लिखी।

रासमस के गोल के बाद वापसी नहीं कर सकी एस्टन

रासमस होजलुंड ने 82वें मिनट में अपना पहला गोल दागा और स्कोर अपनी टीम के पक्ष में 3-2 कर दिया। यहां से एस्टन वापसी नहीं कर पाई। एस्टन विला के पास शीर्ष पर चल रहे लिवरपूल के बराबर अंक हासिल करने का मौका था, लेकिन वह चूक गए।

लियोन आने वाले समय में भी खेलेंगे : टेलर

मेलबर्न।
ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना है कि अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की फिटनेस काफी अच्छी है और वह 40 साल की उम्र में भी टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर आने वाले समय में भी वह खेलते नजर आते हैं तो किसी को भी हैरानी नहीं होनी चाहिये। लियोन ने अब तक 500 से अधिक टेस्ट विकेट लिए हैं और वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई और कुल मिलाकर आठवें गेंदबाज हैं। लियोन ने इससे पहले कहा थ कि वह इंग्लैंड में साल 2027 एशेज सीरीज तक टीम में बने रहना चाहते हैं हालांकि तब तक वह 39 वर्ष के हो जाएंगे।

टेलर ने कहा, मुझे आगे भी उनके खेलने पर कोई हैरत नहीं होगी क्योंकि वह अभी भी खेलने को लेकर बहुत उत्साहित है और मैंने हाल ही में उससे बात की थी। अगर वह अभी भी खेल का आनंद ले रहा है और विकेट ले रहा है तो अगर वह 40 के करीब पहुंच जाता है तो उसके खेलने में कुछ गलत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि उसे जल्दबाजी में इसे छोड़ देना चाहिये। 123 मैचों में 501 विकेट के साथ लियोन अभी सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने की सूची में मुथैया मुरलीधरन 800, शेन वार्न 708, जेम्स एंडरसन 690, अनिल कुंबले 619, स्टुअर्ट ब्रॉड 604, ग्लेन मैकग्राथ 563, और कर्टनी वॉल्श 519 के बाद आठवें स्थान पर है।

टेस्ट क्रिकेट में एक गेंदबाज के रूप में लियोन के स्थान को लेकर उन्होंने कहा, मुझे इतिहास के बारे में बातें कहना पसंद नहीं है क्योंकि यह अब बहुत अलग है। आज के लोग और यहां तक कि मेरे युग के लोग, हमने बहुत सारे खेल खेले हैं। यदि आप इतिहास में नंबर दो कहते हैं, तो इसका मतलब है कि आप ऐसे लोगों के बारे में भूल रहे हैं।

कुश्ती की देखरेख के लिए आईओए ने तीन सदस्यीय समिति बनाई, खेल मंत्रालय ने डब्लूएफआई को किया था निलंबित

नई दिल्ली।
पिछले कुछ दिनों से भारतीय कुश्ती संघ चर्चा में बना हुआ है। हाल ही में खेल मंत्रालय ने संघ को निलंबित कर दिया था। डब्लूएफआई में अलग-अलग पद के लिए हुए चुनाव में संजय सिंह ने अध्यक्ष पद के लिए जीत हासिल की थी। इसके बाद बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट समेत कुछ दिग्गज पहलवानों ने संजय को पूर्व डब्लूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के करीबी बताया था। बृजभूषण पर यौन शोषण के आरोप हैं, जिसको लेकर पहलवान धरने पर भी बैठ चुके हैं। चुनाव के नतीजों के बाद साक्षी ने जहां कुश्ती से संन्यास ले लिया था, वहीं बजरंग ने पद्मश्री लौटा दिया था। इसके बाद खेल मंत्रालय ने एक्शन लेते हुए डब्लूएफआई को निलंबित कर दिया था। अब कुश्ती और इससे जुड़े मामलों की देखरेख के लिए नई तदर्थ समिति यानी एड-हॉक समिति का गठन किया गया है। डब्लूएफआई चुनाव से पहले भी कुश्ती की देखरेख यही समिति कर रही थी, क्योंकि पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण को निलंबित किया गया था। खेल मंत्रालय ने तीन दिन पहले भारतीय ओलंपिक संघ से भारतीय कुश्ती संघ का कामकाज देखने के लिए एक तदर्थ समिति बनाने को कहा था। इसी के बाद आईओए ने यह फैसला लिया है। भारतीय ओलंपिक संघ ने तदर्थ समिति का गठन करते हुए कहा- डब्ल्यूएफआई के संचालन की निगरानी के लिए तदर्थ समिति का गठन किया गया है। उनका काम कुश्ती प्रतियोगिताओं के लिए एथलीट्स का चयन करना, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए एथलीटों के लिए एंट्रीज जमा करना, खेल गतिविधियों का आयोजन करना, बैंक खातों को संभालना, वेबसाइट का प्रबंधन करना और अन्य संबंधित जिम्मेदारियां शामिल हैं।

इसी साल मई के महीने में कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को संघ के कामकाज से दूर रहने के लिए कहा गया था। ऐसे में तीन सदस्यीय तदर्थ समिति ही संघ का कामकाज देख रही थी। इसी समिति ने कुश्ती संघ के चुनाव कराए और 21 दिसंबर के दिन संजय सिंह को नया अध्यक्ष चुना गया। नए अध्यक्ष संजय सिंह का जमकर विरोध हुआ और उन्होंने कुछ मनमाने फैसले किए। इस वजह से खेल मंत्रालय ने पूरे कुश्ती संघ को निलंबित कर दिया था। अब फिर से तदर्थ समिति ही कुश्ती संघ का कामकाज देखेगी। भूपेंदर सिंह बाजवा तदर्थ समिति के अध्यक्ष होंगे। वहीं, एमएम सौम्या और मंजूषा कंवर इसकी अन्य दो सदस्य होंगी। इससे पहले जो तदर्थ समिति बनी थी, भूपेंदर उसके भी अध्यक्ष थे। जनवरी 2023 में पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाए और अगले कुछ महीनों में बृजभूषण को कुश्ती संघ से दूरी बनानी पड़ी।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट जीत से वनडे सीरीज से पहले भारत का मनोबल बढ़ेगा: पूनम राउत

मुंबई।
अनुभवी भारतीय बल्लेबाज पूनम राउत का मानना है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच जीतने से हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम का वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होने वाली वनडे सीरीज से पहले मनोबल बढ़ेगा। हालाँकि भारत ने टी20 में इंग्लैंड से 2-1 की हार के साथ अपने एक्शन से भरपूर घरेलू सीज़न की शुरुआत की।

लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए उन पर और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट जीत हासिल की, क्योंकि उन्होंने नौ साल बाद घरेलू मैदान पर यह प्रारूप खेला।

पूनम ने स्पोर्ट्स शो आकाशवाणी पर कहा, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में जीत से टीम का मनोबल बढ़ेगा। टीम में काफी बदलाव हुए हैं. एक नया कोच, नया स्टाफ है, तो जाहिर तौर पर रणनीतियों और मानसिकता में बदलाव होंगे। टीम में माहौल बदल गया है, वे एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं, वे एक-दूसरे का समर्थन कर रहे हैं और एक-दूसरे के प्रदर्शन का आनंद ले रहे हैं। ये चीजें बहुत मायने रखती हैं।

एकदिवसीय टीम में, भारत ने श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक और तितास साधु को शामिल करके बड़े बदलाव किए हैं, साथ ही रेनुका सिंह ठाकुर और ऋचा घोष भी मिश्रण में वापस आ गई हैं।

स्नेह राणा और दीप्ति शर्मा जैसे कई स्पिनरों ने हाल ही में टेस्ट श्रृंखला में प्रभावित किया है। हम लाल गेंद से सफेद गेंद क्रिकेट की ओर बढ़ रहे हैं। इसलिए, स्पिनरों को उतना टर्न नहीं मिल पाएगा।

लेकिन मुझे लगता है कि श्रेयंका पाटिल जैसी खिलाड़ी, जो अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, और अगर मौका दिया जाए तो मन्नत कश्यप जैसी खिलाड़ी भी प्रभावित कर सकती हैं। मुझे लगता है कि हमें केवल बड़े नामों पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए और अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका देना चाहिए।

उनका यह भी मानना है कि क्षेत्ररक्षण एक ऐसा पहलू है जिस पर काम किया जाना चाहिए और वह चाहती हैं कि संपूर्ण भारतीय बल्लेबाजी क्रम आगे बढ़कर योगदान दे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत की कमजोर कड़ी क्षेत्ररक्षण है। दूसरी चीज बल्लेबाजी है, क्योंकि स्मृति मंधाना को छोड़कर किसी अन्य बल्लेबाज ने सफेद गेंद वाले क्रिकेट में प्रभावित नहीं किया है।

अगर हमें ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम को हराना है, तो यह महत्वपूर्ण है कि शीर्ष पांच बल्लेबाज सफल हों। अगर हमें उन्हें वनडे में हराना है, तो लगभग 300 रन बनाना महत्वपूर्ण है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया अनुभवी है और उसका वनडे रिकॉर्ड अच्छा है।

भारत लंबे अंतराल के बाद घरेलू मैदान पर मौजूदा विश्व कप धारक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच खेलने के लिए वापस आएगा, और तीन मैचों की श्रृंखला 2025 महिला एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी के लिए बहुत महत्व रखती है, जहां वे मेजबान देश होंगे।

पूनम ने निष्कर्ष निकाला, ऑस्ट्रेलियाई टीम वापसी करना जानती है। उन्होंने पहले भारत में काफी क्रिकेट खेला है। मुझे याद है कि हमने 2016 में ऑस्ट्रेलिया में उनके खिलाफ सीरीज जीती थी लेकिन उन्होंने हमें भारत में जीतने का मौका नहीं दिया। इसलिए वे इतने मजबूत हैं और उनके पास काफी अनुभव है।

स्वास्थ्य

मेकअप करने की जरूरत नहीं अब डीटॉक्स कर पाएं दमकती त्वचा

आपने बीते त्यौहारों के मौसम में खूब धमा-चौकड़ी की होगी. देर रात तक जागे भी होंगे. खूबसूरत मेकअप भी किया होगा और ढेर सारी मिठाइयों का आनंद उठाया भी होगा. लेकिन अब आने वाले शादी के सीजन में भी आपको खूबसूरत दिखना है.

इसलिए अब आपके शरीर और त्वचा को थोड़ा ब्रेक चाहिए, वरना आपकी त्वचा मुरझाई हुई और बेजान नजर आएगी. यहां हम आपकी त्वचा को डीटॉक्स कर दमकती हुई त्वचा पाने का आसान-सा नुस्खा बता रहे हैं.

ज्यादा सक्रिय रहें

तेज वॉक करना, स्विमिंग, योग या कार्डियो जैसे एक्सरसाइज करें. ये आपके डाइजेस्टिव सिस्टम को सक्रिय करते हैं और टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकालने में मदद करते हैं. एक्सरसाइज से शरीर से ऐन्डॉर्फिन्स रिलीज होते हैं, जो ऊर्जा लाते हैं.

अपने पेट को डीटॉक्स करें

शरीर से टॉक्सिन्स निकलने के बाद आपकी त्वचा अपने आप अंदर से दमकने लगेगी. कॉफी के बजाय गरमा-गरम ग्रीन टी चुनें. चाहें तो उसमें अदरक या नींबू मिलाएं, ताकि फैट जल्दी नष्ट हो सके और शरीर में मौजूद पानी की अतिरिक्त मात्रा को निकाला जा सकें. अपने दिन की शुरूआत गर्म पानी में नींबू मिलाकर करें, इससे आपका पेट साफ हो जाएगा. जिससे त्वचा सूजी और थकी हुई नहीं नजर आएगी.

मास्क लगाएं

मेकअप और स्टाइलिंग से आपकी त्वचा थोड़ा ब्रेक मांगती है. क्ले मास्क से अपनी त्वचा को ठंडक पहुंचाएं. मास्क आपकी त्वचा से अतिरिक्त ऑयल को अवशोषित करता है और टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है. अपने चेहरे पर शहद लगाएं और मुलायम कपड़े से चेहरे को ढंक लें. शहद आपकी त्वचा को पोषित करेगा और त्वचा की थकान को दूर करेगा.

स्क्रब करें

सौम्य स्क्रब से चेहरे को एक्सफॉलिएट करें, ताकि मृत कोशिकाओं से छुटकारा मिल सके और रक्त का प्रवाह भी बढ़ सके. एक्सफॉलिएट करने से आपकी त्वचा गहराई से साफ हो जाएगी. दमकती हुई त्वचा पाने के लिए ऑर्गेनिक कॉफी पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर स्क्रब करें.

स्पा करवाएं

डीप टिशू मसाज या लिम्फैटिक मसाज न केवल आपके शरीर को रिलैक्स करेगा, बल्कि आपके शरीर से टॉक्सिन्स को निकालने में मदद करेगा. यह ऐलर्जीस को कम करने में मदद करता है.

हाइड्रेट करना बहुत जरूरी

बहुत ज्यादा तला-भुना और मीठा खाने से आपकी त्वचा रूखी और बेजान नजर आ सकती है. शहद, एलोवेरा और गुलाब जल जैसे नैसर्गिक इन्ग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल कर अपनी त्वचा को मॉइस्चराइज और टोन करें. इनमें से कोई भी इन्ग्रीडिएंट अपनी त्वचा पर लगाएं और 20 मिनट बाद चेहरा धो लें.

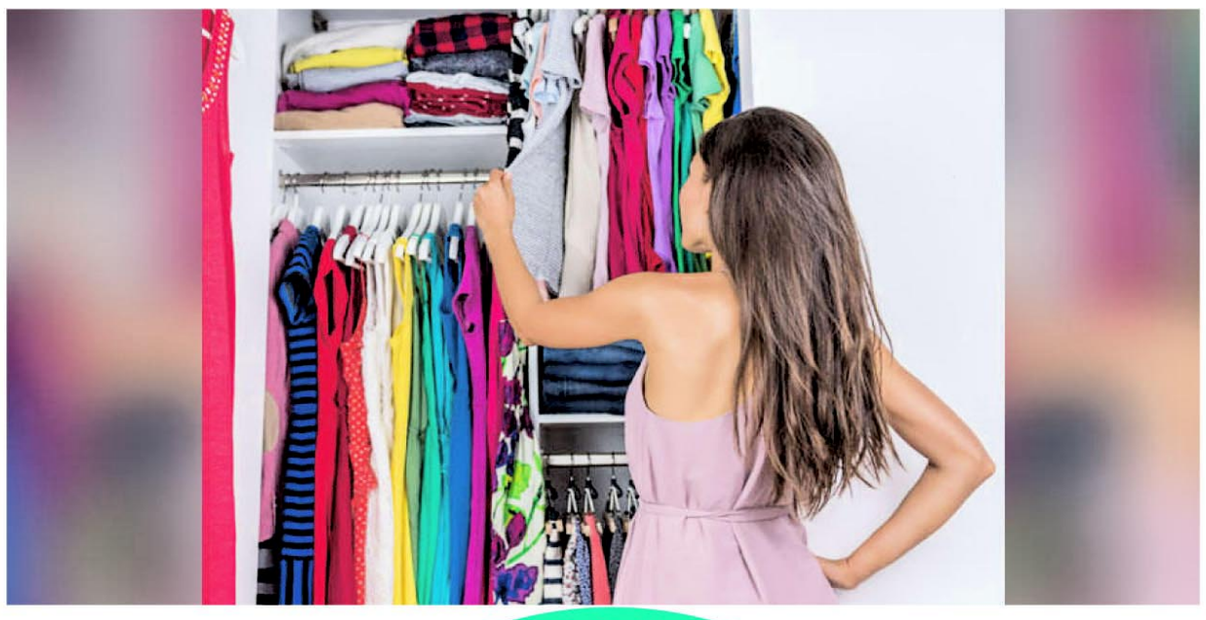

वॉर्डरोब में रखे कलरफुल कपड़ों का कुछ इस तरह कीजिए उपयोग

अमूमन देखने में ऐसा आया है कि वॉर्डरोब में कपड़े तो बहुत होते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कुछ समझ नहीं आता है कि क्या पहनें और क्या नहीं. इसके चलते हर छोटे-बड़े मौकों के लिए आपको नए कप? खरीदने पड़ते हैं और आपके वॉर्डरोब में कपड़े भरते जाते हैं. ऐसे में आप कुछ नया कर सकते हैं.

क्वालिटी और कलर पर दें ध्यान

बाजार में आपको कई कपड़े पसंद आ जाते हैं, जिसको खरीदे बिना दिल नहीं मानता. आमतौर पर ऐसा होता है कि आप एक ही कलर के ऐसे कपड़े खरीद लाते हैं, जो आपको बाजार में तो अच्छे लगते हैं, लेकिन घर आकर आपको समझ आता है कि उनका कोई यूज ही नहीं है. इसलिए बाजार में हमेशा ध्यान रखें कि आपको किस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत है और कौन से कलर के कपड़े आप इससे पहले खरीद चुकीं हैं.

हटाने की जगह नए तरीके का करें इस्तेमाल

पुराने कपड़ों को थोड़ा बहुत कांट-छांट कर उन्हें नए तरीके से पहन सकते हैं. कुछ कपड़ों की मैचिंग बदलकर भी उन्हें पहना जा सकता है. गर्ल्स चाहें तो पुराने जींस को कट करके डेली यूज के लिए शॉर्टस बना सकतीं हैं. अगर आपको सिलाई आती है, तो और भी अच्छी बात है. पुराने कपड़ों को नई तरह से डिजाइन कर के पहन सकतीं हैं.

पुरानी और बेकार चाबियों से दें, घर को डिफरेंट और यूनिक लुक

घरों में मौजूद तालों में जंग लग जाने या फिर ताले खराब हो जाने के कारण आप उन्हें फेंक देते है. इससे घर में चाबियों का ढेर लग जाता है. ऐसे में आप या तो उसे फेंक देते है या फिर रद्दी में बेच देते है लेकिन इसकी बजाए आप चाबियों का इस्तेमाल घर की सजावट के लिए कर सकते है.

1. **वॉल डेकोरेशन:** किसी भी चीज की ड्राइंग दीवार पर करके उसके बीच में चाबियों को ग्लू की मदद से चिपका दें.इससे आपके घर की दीवारों को डिफरेंट स्टाइल का आर्ट पीस मिल जाएगा.

2. **की होल्डर:** पुरानी चाबीयों को लकड़ी के बोर्ड पर लगाकर कुंडी की तरह हल्का सा ऊपर की ओर मोड़ दें. इसे आप की होल्डर की तरह इस्तेमाल कर सकते है। इसके अलावा पुरानी चाबियों का इस्तेमाल आप घड़ी को नया रुप देने के लिए भी कर सकते है.

3. **फोटो फ्रेम:** पुराने फोटो फ्रेम के किनारों पर पुरानी चाबियों को ग्लू से चिपका कर आप उसे नया रुप दे सकते है. इसके अलावा अपनी पुरानी चाबीयो को आप यादगार के तौर पर फेम करवा कर भी रख सकते है.

4. **पेंडेट :**पुरानी चाबियों का इस्तेमाल आप पेंडेट या कीरिंग बनाने के लिए कर सकती है. इससे आपके पैसे भी बच जाएगें और चाबिया भी इस्तेमाल हो जाएगी.

5. **हैंगिंग आर्ट पीस:** इसके इस्तेमाल से आप डिफरेंट हैंगिंग आर्ट पीस बना सकती है. इसे आप घर के दरवाजे, गार्डन या घर के अंदर डेकोरेट कर सकती है.

आहार

हेल्थ और ब्यूटी के लिए फायदेमंद है 'अमरूद'

सर्दी के मौसम में अमरूद बाजार में खूब मिलता है. हम सभी ने लाल रसीले अमरूद नमक और चाट मसाला डालकर खाए होंगे. अमरूद के जैम और जेली भी एंजॉय किए होंगे.

लेकिन, क्या आप जानते हैं यह अमरूद आपकी हेल्थ और ब्यूटी के लिए भी बहुत फायदेमंद फल है? विटामिन सी, लायकोपीन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर अमरूद में कई दूसरे विटामिन और मिनरल्स भी होते हैं जो आपकी बॉडी को न्यूट्रिएंट्स अब्जॉर्ब करने में मदद करते हैं. तो आइए आज हम आपको बताते हैं इसके क्या-क्या फायदे हैं...

डायबिटीज से बचाता है : अमरूद में रिच फाइबर कंटेंट और लो ग्लायसेमिक इंडेक्स होता है जो डायबिटीज से बचाता है. लो ग्लायसेमिक इंडेक्स अचानक शुगर लेवल बढ़ने से रोकता है, वहीं फाइबर्स के कारण शुगर अच्छे से रेग्युलेट होती रहती है.

इम्युनिटी बूस्टर : अमरूद विटामिन सी का सबसे अच्छा सोर्स है. अमरूद में संतरे से चार गुना ज्यादा विटामिन सी होता है, जो आपकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता यानि इम्युनिटी पावर बढ़ाता है. साथ ही कॉमन इंफेक्शंस और बीमारियों से बचाता है.

वजन कम करने में मददगार : अमरूद प्रोटीन, विटामिन और फाइबर इनटेक से समझौता किए बगैर आपका मेटाबॉलिजम बढ़ाता है और वजन घटाने में मदद करता है. अमरूद खाने के बाद पेट भी भर जाता है और कैलोरी इनटेक भी कम होता है. कच्चे अमरूद में केला, सेब, संतरा और अंगूर जैसे दूसरे फलों के मुकाबले काफी कम शुगर होती है.

आंखों की रोशनी बढ़ाता है : अमरूद में विटामिन ए होता है जिसके कारण यह आंखों की रोशनी के लिए बूस्टर का काम करता है. अमरूद खाने से न केवल आईसाइट बेहतर होती है, बल्कि यह आंखों में होने वाली मोतियाबिंद और मस्कुलर डिकंजेशन जैसी बीमारियों से भी बचाता है. दांत का दर्द दूर करती हैं अमरूद की पत्तियां अमरूद की पत्तियों में एंटी इंफ्लमेटरी और एंटी बैक्टीरियल क्वॉलिटी होती है जो दांतों का इंफेक्शन दूर करने और कीड़े मारने में काफी मददगार हैं. अमरूद की पत्तियां दांत दर्द के इलाज की बढ़िया घरेलू दवा हैं. इसकी पत्तियों के रस से दांत और दाढ़ की मालिश करने से काफी फायदा होता है.

बाल बनाए मजबूत : अमरूद और उसकी पत्तियों का रस बालों को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं। इससे त्वचा भी अच्छी रहती है.

कब्ज दूर करता है : अमरूद दूसरे फलों की तुलना में डायटरी फाइबर का एक बढ़िया सोर्स है. यह आपकी डेली फाइबर जरूरतों का 12 फीसदी पूरा करता है. यही कारण है कि आपके डायजेशन के लिए यह किसी रामबाण दवा से कम नहीं है. अमरूद के बीज बढ़िया जुलाब का काम करते हैं और इनसे आंतों की सफाई हो जाती है.

वायरल को दूर करता है : दूसरे फलों की तुलना में अमरूद में काफी मात्रा में विटामिन सी और आयरन होता है. ये दोनों वायरल इंफेक्शन से बचाते हैं. कच्चे अमरूद का रस या फिर अमरूद की पत्तियों का काढ़ा फेफड़ों में मौजूद कफ को बाहर निकालता है.

दिमाग के लिए फायदेमंद : अमरूद में विटमिन बी 3 और बी 6 होता है, जिसके कारण ब्रेन में ब्लड सकुर्लेशन इम्प्रूव होता है. इससे याददाश्त बढ़ती है और नर्व्स रिलैक्स होती हैं.

एलर्जी दूर करे : अमरूद की पत्तियों का रस किसी भी तरह की एलर्जी दूर कर सकता है, इसमें एलर्जी अवरोधक गुण पाए जाते हैं.

शादी के पलों को खुशनुमा बनाने के लिए यहां करवाएं वेडिंग फोटोशूट

शादी हर किसी की जिंदगी का बेहद अनमोल पल होता है और इस पल को हर कोई जी भरकर एन्जॉय करने की कोशिश करता है. यूं तो शादी के पलों को खुशनुमा बनाने के लिए कई चीजें हैं. इन दिनों मॉडर्न कपल्स के बीच प्री वेडिंग फोटोशूट फेमस है. ऐसे में कहां ये फोटोशूट करवा सकते हैं ये हम बता रहे हैं.

राजस्थान

बात जब प्री वेडिंग फोटोशूट की हो रही है और राजस्थान का नाम ना लिया जाए ये तो मुमकिन ही नहीं है. यहां स्थित खूबसूरत हवेलियां, मीलों दूर तक फैला रेगिस्तान, मीनारें आदि आपके फोटो शूट को खूबसूरत बना देंगे. रेतीली वादियों के बीच रोमांटिक फोटोशूट आपकी शादी की यादों और एलबम में चार चांद लगा सकता है.

केरल

दक्षिण भारत का सबसे लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन केरला सिर्फ हनीमून डेस्टिनेशन ही नहीं बल्कि प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए भी परफेक्ट जगह है. केरल के खूबसूरत बैकवाटर हाउस, नारियल के पे?, और समुद्री तट के किनारे आपका प्री- वेडिंग फोटोशूट कमाल लगेगा.

बेंगलुरु

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु आईटी हब के नाम से विख्यात है. यहां कई प्री वेडिंग लोकेशन हैं. जहां आप अपनी तस्वीरों को क्लिक करवा सकते हैं. साथ ही आप बेंगलुरु के आस-पास स्थित खूबसूरत जगहों की सैर कर वहां के खूबसूरत नजारों के बीच परफेक्ट फोटो क्लिक कर सकते हैं.

पंजाब

अगर आप एक संजीदा और रोमांटिक फोटोशूट कराना चाहते हैं, तो पंजाब से अच्छी कोई जगह नहीं है, सरसों के लहलाहते खेतों के बीच एकदम पंजाबी स्टाइल में फोटोशूट आपकी शादी की एलबम को और भी खूबसूरत बना देगा.

सर्दियों में स्किन एलर्जी से बचने के लिए आजमाएं ये 3 टिप्स

सर्दियों के मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण सर्दी, जुकाम से परेशान होने वाले लोगों की लिस्ट बढ़ती जाती है. ऐसे में महिलाओं की संख्या ज्यादा होती है, इतना ही नहीं कुछ लोग स्किन पर चकत्ते से भी काफी परेशान हो जाते हैं.

मौसम में एलर्जी के मामले भी अधिक देखने को मिलते हैं. कुछ लोगों को सांस लेने की समस्या और शरीर में खुजली की समस्या का भी सामना करना पड़ता है.

एलर्जी को रोकने के लिए कुछ खास बातें

घर में धूल और गंदगी न रखें. इसे समय-समय पर साफ करते रहें, जो एलर्जी का कारण हैं. एलर्जी के कारण की पहचान के लिए खून की जांच करवाएं, यह खून की जांच कॉम्प्रिहेन्सिव एलर्जी टेस्ट कहलाती है. यह टेस्ट जरूर करवाएं.

धूल कणों से बचाव के लिए घर के अंदर हवा के प्रवाह में सुधार लाएं और रसोई घर, बाथरूम व कमरों को साफ-सुथरा रखें. घर की नियमित रूप से सफाई करें.

एलर्जी से पीड़ित लोग खुद को धूल और गंदगी से दूर रखें. दमा और गले की सूजन से पीड़ित लोगों को डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए. त्वचा की एलर्जी या चकत्ते से पीड़ित लोगों को भी डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए.

रेसिपी

काजू मटर

सामग्री

तेल: 1 टेबलस्पून * काजू: 60 ग्राम * गर्म दूध: 110 मि.ली * टमाटर: 25 ग्राम * अदरक: 1 टीस्पून * काजू पाउडर: 2 टेबलस्पून * तेल: 1 टेबलस्पून * जीरा: 1 टीस्पून * हींग: 1/4 टीस्पून * धनिया के सूखे पत्ते: 1 टीस्पून * लाल मिर्च: 1/4 टीस्पून * हल्दी: 1/4 टीस्पून * धनिया पाउडर: 1 टीस्पून * हरे मटर: 200 ग्राम * चीनी: 1 टेबलस्पून * नमक: 1 टीस्पून * पानी: 200 मि.ली * गर्म मसाला: 1/2 टीस्पून

विधि

एक पैन में तेल डालकर इसमें काजू को गोल्डन फाई कर लें और एक बाउल में गर्म दूध डालकर इसमें फाई किए काजू को 15 मिनट के लिए भिगो कर रखें। अब टमाटर,अदरक,काजू का पाउडर डालकर इसे मिक्सी में डालकर प्यूरी बना लें। इसके बाद एक पैन में तेल डालकर इसमें जीरा और हींग डाल कर भून लीजिए। इसमें अब धनिया पाउडर,लाल मिर्च और हरी मिर्च डालकर मिक्स कर लें और पहले से बना कर रखा हुआ पेस्ट डालकर 3-5 मिनट के लिए भूनें। इस भूने हुए मसाले में अब हल्दी, सूखा धनिया डालकर मिक्स कर लें। अब इसमें मटर, चीनी और नमक को मसाले में डालकर मिला लीजिए। जब मसाले में मटर अच्छी तरह से मिक्स हो जाए तब इसमें पानी डालकर 3-5 मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद गर्म मसाला डालकर पहले से दूध में पहले से भिगो कर रखे हुए काजू डालें और 2 मिनट के लिए पकाएं। काजू मटर बनकर तैयार है, इसे सर्व करें।

आलू का हलवा

सामग्री

1 कप देसी घी
1 किलो उबले हुए आलू
1 1/2 कप चीनी
1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
8-10 बारीक कटे बादाम
8-10 बारीक कटा पिस्ता
10-12 किशमिश (पानी में भिगी हुई)

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में घी डालें और उसे गर्म करें। अब उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें और कड़ाही में डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। आलू को लगातार हिलाते रहें ताकि वह कड़ाही के साथ चिपक न जाए। इन्हें तब तक भूनें जब तक आलू का रंग हल्का ब्राउन न हो जाए। अब इसमें चीनी और इलायची पाउडर डालकर एक बार फिर अच्छी तरह मिक्स करें। हलवा जब घी छोड़ने लगे तो इसमें बादाम, पिस्ता और किशमिश डालकर मिक्स करें। आपका आलू का हलवा तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**